केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षो से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com



महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**

किस्मत में लिखे फैसले बदला नहीं करते, लेकिन आप फैसले तो लीजिये, क्या पता, किस्मत ही बदल जाए।

वर्ष : 16 अंक : 302 | उज्जैन, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

# बाबा साहेब जन्म स्थली स्मारक महू में होगा विशाल समागम - मुख्यमंत्री डॉ. यादव विशेष रूप से होंगे शामिल

**इंदौर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूर्ण आस्था एवं अपार उत्साह के साथ मनाई जाएगी**

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेड़कर की जयंती इंदौर में 14 अप्रैल को पूर्ण आस्था एवं अपार उत्साह के साथ मनाई जाएगी। डॉ. अम्बेड़कर नगर महू में स्थित उनकी जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक में विशाल समागम होगा। श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से इस आयोजन में शामिल होंगे।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण उत्साह, उमंग और आस्था के साथ इंदौर जिले के डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में मनाया जा रहा है। जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमानों की तरह आवभगत की जा रही है। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की गई है। जन्म स्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की गई है।

अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह में मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला 12 अप्रैल की शाम से शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था स्वर्ग मंदिर परिसर में की गई। उक्त भोजन व्यवस्था 14 अप्रैल की शाम तक जारी रहेगी। भंतो के भोजन की व्यवस्था माहेश्वरी स्कूल में की गई है तथा उनके रूकने की व्यवस्था भी माहेश्वरी स्कूल में है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण भी किया गया है। पेयजल व्यवस्था के लिये विभिन्न स्थानों पर प्याऊ का निर्माण किया गया है।

अम्बेडकर जयंती के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के रूकने के लिये धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में की गई है। इसके अलावा तीन विशाल डोम भी ठहरने के लिए बनाए गए हैं।

व्यवस्था के लिये कार्यक्रम स्थलों को 7 सेक्टर में विभाजित किया गया है। यह सेक्टर महेश्वरी स्कूल महू, डॉ. अम्बेडकर जन्म स्थली, केन्ट प्रायमरी स्कूल, स्वर्ग मंदिर परिसर, रेल्वे स्टेशन से सात रास्ता, केन्ट बोर्ड कन्या विद्यालय तथा उत्कृष्ट विद्यालय महू में बनाये गए हैं। उक्त 7 सेक्टरों में दल का गठन कर सभी विभागों के व्यक्तियों की ड्यूटी लगाई गई है। उक्त 7 सेक्टरों पर मराठी भाषी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। कार्यक्रम की व्यवस्था के लिये 3 स्थानों पर कन्ट्रोल रूम बनाए गए हैं। यह कंट्रोल रूम तहसील परिसर महू, अम्बेडकर जन्म स्थली स्मारक तथा स्वर्ग मंदिर परिसर में रहेंगे।

महू में जयंती समारोह में 6 स्थान पर आकस्मिक चिकित्सा की विशेष व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकों का दल गठन कर ड्यूटी लगाई गई है। कार्यक्रम के दौरान साफ-सफाई के लिये इन्दौर नगर निगम एवं स्थानीय निकाय का अमला तैनात किया गया है। समारोह में अग्निशमन की भी व्यवस्था रहेगी।

### कलेक्टर श्री वर्मा ने महू पहुँचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा डॉ. अम्बेड़कर नगर (महू) पहुँचे। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने समारोह के लिए विभिन्न प्रान्तों से आए श्रद्धालुओं से चर्चा की और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर श्री वर्मा ने श्रद्धालुओं के लिए की गई सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी व्यवस्थाएं बनायी रखी जाए, जिससे कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

## न्यूज ब्रीफ

### झारखंड सरकार को 10 दिन का अल्टीमेटमः लोकायुक्त और सूचना आयुक्त पर घिरी सरकार, हाई कोर्ट ने पूछे तीखे सवाल




**रांची/ जीएनएस।** झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में लोकायुक्त और सूचना आयुक्त सहित अन्य संवैधानिक पदों पर नियुक्ति से संबंधित मामले में सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार के जवाब पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि जल्द ही लोकायुक्त का नाम राज्यपाल को अनुमोदन के लिए भेजा जाए। अदालत ने कहा कि सरकार मामले में बार-बार समय ले रही है। जब नियुक्ति समिति ने लोकायुक्त के नाम की अनुशंसा कर दी है, तब फिर से समय मांगा जाना उचित नहीं है। अदालत ने कहा कि अगर दस दिनों में इसकी अधिसूचना जारी नहीं होती है, तो सख्त आदेश पारित किया जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी।इससे पहले महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर सरकार की ओर से कोई जानकारी नहीं मिली है। इस पर अदालत ने उन्हें सरकार से जानकारी लेकर कोर्ट को अवगत करने का निर्देश दिया। दस मिनट बाद महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि इस मामले में उन्होंने मुख्यमंत्री से बातचीत की है। चयन समिति ने लोकायुक्त के नाम की अनुशंसा कर दी है। दो-तीन दिनों में उक्त नाम राज्यपाल को अनुमोदन के लिए भेज दिया जाएगा। इसके अदालत ने पूछा कि सूचना आयुक्त की नियुक्ति को लेकर क्या अपडेट है। तब प्रार्थी के अधिवक्ता अभय कुमार मिश्रा ने अदालत को बताया कि कुछ दिनों पहले सूचना आयुक्तों को नामों की सूची राज्यपाल को भेजी गई है। जिसे लौटा दिया गया। इस मामले में पक्ष-विपक्ष ने जानबूझकर ऐसे नामों की अनुशंसा की है, जो कानूनन सही नहीं है, ताकि नियुक्ति नहीं हो पाए।

### आरक्षण का तहे दिल से समर्थन, पर तरीका ठीक नहीं; 95 शहरों के 488 सामाजिक कार्यकर्ताओं की खुली चिट्ठी




**नई दिल्ली/ जीएनएस।** देश भर के महिला समूहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिक संस्थाओं के करीब पांच सौ सदस्यों ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े प्रस्तावित विधेयकों पर आगे बढ़ने के सरकार के तौर-तरीके को लेकर गहरी चिंता जताई है। ये विधेयक इस सप्ताह संसद में पेश किए जाने हैं। सिविल सोसायटी के सदस्यों ने हालांकि विधानमंडलों में महिलाओं के लिए आरक्षण के सिद्धांत का एक बार फिर समर्थन किया है लेकिन महिला आरक्षण और परिसीमन पर प्रस्तावित कानूनों में संशोधन के तरीके और उसमें पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। 95 शहरों और जिलों से सिविल सोसाइटी के 488 लोगों के समूह ने सोमवार को एक खुली चिट्ठी में केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वे व्यापक सलाह-मशविरे के लिए बिलों के ड्राफ़्ट को सार्वजनिक करें। समूह ने कहा है कि वे विधायिकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का तहे दिल से समर्थन करते हैं। इस याचिका के प्रमुख हस्ताक्षरकर्ताओं में अमु जोसेफ, अंजना प्रकाश, कल्पना कनबीरन, रोमिला थापर, नंदिनी सुंदर, उर्वशी बुटालिया और योगेंद्र यादव जैसे नाम शामिल हैं। एक बयान में, हस्ताक्षरकर्ताओं ने उस तरीके पर चिंता जताई, जिस तरह से 16 से 18 अप्रैल तक बजट सत्र के विशेष विस्तार के दौरान कानून पेश करने का प्रस्ताव है। बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित कानूनों - जिनमें कथित तौर पर महिला आरक्षण और परिसीमन अभ्यास से जुड़े संशोधन शामिल हैं - का भारत के चुनावी ढांचे और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। महिला संगठनों और व्यक्तियों के एक समूह ने सांसदों को भी संबोधित कर खुली चिट्ठी लिखी है और उसमें कहा है कि यह कदम जल्दबाजी में उठाया गया है, क्योंकि राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और आदर्श आचार संहिता लागू है। पत्र में कहा गया है, हम राज्य चुनावों के बीच जल्दबाजी में यह संयुक्त सत्र आहूत किए जाने की निंदा करते हैं।

## क्या पेट्रोल-डीजल के बढ़ने वाले हैं दाम? ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर के पार




**नई दिल्ली/ जीएनएस।** अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से सोमवार को भारतीय पूंजी बाजार और मुद्रा बाजार पर दबाव देखा गया।

बीएसई सेंसेक्स 702 अंक की गिरावट के साथ 76,847.57 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी करीब 210 अंक टूट कर 23,843 अंक पर बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 56 पैसे कमजोर होकर 91.08 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमत 103 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई, जो पिछले कारोबारी दिन से 3.8 प्रतिशत ऊपर है।

अमेरिकी प्राकृतिक गैस की कीमत आज 2.82 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रही। जानकारों का कहना है कि यह स्थिति आगे भी जारी रह सकती है क्योंकि पश्चिम एशिया संघर्ष के जल्द समाप्त होने को लेकर कोई ठोस संकेत नहीं मिल रहे।

वित्तीय बाजार में इस स्थिति का अंदाजा पहले से था। लिहाजा, भारत सरकार और वित्तीय नियामकों ने बाजार खुलने से पहले ही संभावित अस्थिरता को लेकर पूरी तैयारी कर रखी थी।

वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और सेबी के बीच रविवार देर शाम उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। बैठक में आज बाजार में भारी बिकवाली और रुपये पर अत्यधिक दबाव की आशंका जताई गई थी।

आरबीआई ने रुपये की रक्षा के लिए बाजार में सक्रिय हस्तक्षेप किया और डॉलर की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा उपलब्ध कराया। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने आज शेयर बाजार में नेट खरीदारी की, जिससे सेंसेक्स की गिरावट 702 अंक तक सीमित रही।

## सेप्टिक टैंक में हैं मम्मी, 4 साल के बेटे ने खोला पिता का खौफनाक राज; ओडिशा में दिल दहलाने वाली वारदात



**भुवनेश्वर/ जीएनएस।** ओडिशा के नवरंगपुर जिला के रायघर थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है।

यहां एक पति ने पत्नी के चरित्र पर शक के चलते उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए शव को घर के सेप्टिक टैंक में छिपा दिया। इस जघन्य वारदात का खुलासा किसी और ने नहीं, बल्कि आरोपी के 4 साल के मासूम बेटे ने किया। मिली जानकारी के अनुसार, रायघर थाना अंतर्गत जोड़िंगा पंचायत के बोरगांव गांव निवासी सुभाष गंड अपनी पत्नी मनई गंड और बच्चों के साथ शनिवार को एक विवाह समारोह में शामिल होने गया था। कार्यक्रम से लौटने के बाद पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया।

शक ने ली जान- बताया जा रहा है कि पत्नी के चरित्र पर संदेह को लेकर सुभाष गंड ने मनई की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को छिपाने के लिए आरोपी ने उसी रात शव को घर के सेप्टिक टैंक में दफना दिया।

घटना के बाद आरोपी का चार साल का बेटा इस भयावह मंजर को सहन नहीं कर सका और उसने पड़ोसियों को पूरी घटना बता दी। उसने बताया कि मम्मी सेप्टिक टैंक में हैं। बच्चे की बात सुनकर ग्रामीणों ने सुभाष से कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने बरामद किया शव - सूचना मिलते ही रायघर पुलिस मौके पर पहुंची और सेप्टिक टैंक से महिला का शव बरामद किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## बंगाल में 34 लाख मतदाता नहीं डाल सकेंगे वोट, सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार



**नई दिल्ली/ जीएनएस।** सुप्रीम कोर्ट ने उन लोगों को अंतरिम वोटिंग अधिकार देने से इनकार कर दिया है, जिनके नाम वोटर लिस्ट को सही करने की प्रक्रिया SIR में हटा दिए गए थे और जिनकी अपीलें अभी भी अपीलीय ट्रिब्यूनलों के सामने लंबित हैं।

कार्रवाही के दौरान, TMC नेता कल्याण बनर्जी ने कहा कि कम से कम 16 लाख अपीलें दायर की गई हैं और उन्हें इस महीने के आखिर में होने वाले दो चरणों वाले विधानसभा चुनाव में वोट डालने की अनुमति दी जानी चाहिए।

इसके जवाब में, सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, यह तो बिल्कुल भी मुमकिन नहीं है। अगर हम इसकी अनुमति देते हें, तो इसमें शामिल लोगों के वोट देने के अधिकार को निलंबित करना पड़ेगा।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि स्ढ्ढक्रप्रक्रिया में 34 लाख अपीलें हैं, उन्होंने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस द्वारा सौंपी गई रिपोर्टों में यह डेटा साफ तौर पर बताया गया है।

## 49 लाख खर्च करने के बाद भी फ्लाइट में चढ़ने से रोका, कोर्ट पहुंचा विवाद

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** केएलएम रॉयल डच एयरलाइन से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक परिवार को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया गया। यह परिवार अपनी यात्रा के लिए करीब 49 लाख रुपए खर्च कर चुका था।

रिपोर्ट के मुताबिक, परिवार ने बिजनेस क्लास की 8 नॉन-रिफंडेबल टिकटें बुक की थीं। यह यात्रा किसी खास पारिवारिक ट्रिप के तौर पर प्लान की गई थी। परिवार समय से पहले एयरपोर्ट पहुंच गया था, लेकिन उड़ान से ठीक पहले उन्हें बोर्डिंग से रोक दिया गया।

एयरलाइन स्टाफ ने बोर्डिंग रोकने का कारण पेरू के वीजा की कमी को बताया। हालांकि परिवार का दावा है कि यह नियमों की गलत व्याख्या थी। उनका कहना है कि कुछ देशों जैसे- अमेरिका, यूके या शेंगेन वीजा धारकों के लिए अलग से पेरू वीजा की जरूरत नहीं होती है।

घटना के बाद विवाद और बढ़ गया और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कोर्ट ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए एयरलाइन के सीनियर अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया है।

परिवार ने एयरलाइन पर लगाए गंभीर आरोप- पीड़ित परिवार का आरोप है कि विरोध करने के बाद उन्हें रेड फ्लैग कर दिया गया, जिससे आगे की यात्राओं में भी परेशानी हुई। यहां तक कि परिवार के कुछ सदस्यों से अन्य देशों में भी पूछताछ की गई।

एयरलाइन की सफाई- मामले पर एयरलाइन का कहना है कि वह सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रा नियमों का पालन करने के लिए बाध्य है और यात्रियों को सही दस्तावेज साथ रखना चाहिए। हालांकि उसने इस घटना पर असुविधा के लिए खेद प्रकट किया है।

## एक मकान ने रोक दी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की रफ्तार, करोड़ों के एक्सप्रेसवे पर भारी पड़ा किसान




**नई दिल्ली/ जीएनएस।** दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का काम लगभग पूरा होने वाला है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को इस परियोजना का उद्घाटन करने वाले हैं। हालांकि, इस विशाल कार्य के रास्ते में फिलहाल एक बड़ी बाधा खड़ी है। बता दें कि लोनी के मंडोला गांव में स्थित एक दो-मंजिला मकान इस विशाल परियोजना के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट बनकर सामने आया है।

आईए समझते हैं पूरा मामला क्या है- रैंप के ठीक बीच में 'स्वाभिमान' नाम का मकान- यह मकान 'स्वाभिमान' नाम से जाना जाता है। यह एक्सप्रेसवे के मुख्य रैंप पर स्थित है। अगर इसे हटाया नहीं गया तो देहरादून से दिल्ली आने वाले वाहनों को रैंप से उतरने में काफी परेशानी हो सकती है।

28 साल से कानूनी लड़ाई में फंसा परिवार- यह मकान स्वर्गीय वीरसेन सरोहा का था। 1998 से यह मामला कोर्ट में पेंडिंग है। परिवार का कहना है कि 28 साल से वे कानूनी दांव-पेंच में फंसे हुए हैं। मुख्य रैंप इसी घर की वजह से अब भी अधूरा पड़ा है।

1600 वर्ग मीटर जमीन का विवाद- एनएचएआई को इस रैंप को पूरा करने के लिए करीब 1600 वर्ग मीटर जमीन चाहिए। घर करीब 1000 वर्ग मीटर में बना है और बाकी 600 वर्ग मीटर अतिरिक्त जमीन है। परिवार इस समय कानपुर निवासी जयपाल सिंह की देखरेख में है।

वर्तमान रेट से मुआवजा मिलने की मांग- परिवार की सदस्य पूजा नेहरा ने कहा, जब प्रोजेक्ट शुरू हुआ तब यहां सर्विस लेन नहीं थी, लेकिन एक्जिट बनाने के लिए जमीन ली जा रही है। हमारा कहना है कि पुराने रेट से नहीं, बल्कि आज के बाजार रेट के हिसाब से मुआवजा दिया जाए।

## महिला आरक्षण बिल पर PM मोदी ने मांगा समर्थन, विपक्ष के सामने रखा महिलाओं का पक्ष



**नई दिल्ली/ जीएनएस।** मोदी सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद के विशेष सत्र में संशोधन विधेयक लाकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने जा रही है।

लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के इस महत्वपूर्ण निर्णय का श्रेय सरकार की झोली में जाना स्वाभाविक है।

विपक्ष के सामने सरकार का महिला पक्ष- इस संभावित श्रेय में सेंध लगाने के लिए कांग्रेस जहां तमाम तरह के आरोप लगाकर सरकार की नीयत पर सवाल खड़े कर रही है वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस वार को कुंद करने के लिए बौद्धिक प्रतिवार करते हुए विपक्ष के सामने %महिला पक्ष% को खड़ा करने का प्रयास किया है।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के माध्यम से पीएम मोदी ने देशभर की महिलाओं से आग्रह किया है कि अपने-अपने सांसदों से मिलें, उन्हें अपनी अपेक्षा बताएं और विशेष सत्र के लिए फूलमाला देकर विदा करें। कहा कि जब सांसद माताओं-बहनों का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे तो दूसरा निर्णय कर ही नहीं सकते।

नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में सोमवार को आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आदर्श स्थापित करने वालीं प्रबुद्ध महिलाओं और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का नेतृत्व कर रहीं हस्तियां शामिल हुईं।

मंचासीन केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सावित्री ठाकुर, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर के साथ ही पीएम ने सामने की पंक्ति में बैठीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार के नाम का भी उल्लेख किया।

पीएम मोदी ने कहा कि देश की विकास यात्रा के अहम पड़ावों के बीच भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक निर्णय लेने जा रहा है। ये निर्णय नारी शक्ति को समर्पित है, नारी शक्ति वंदन को समर्पित है। हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है।

पीएम ने कहा कि राज्यों की विधानसभाओं से लेकर देश की संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय 16-17-18 है। 2023 में नई संसद में जो नया भवन निर्माण हुआ, उसमें हमने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में प्रथम कदम उठाया था। वह समय से लागू हो सके, महिलाओं की भागीदारी हमारे लोकतंत्र को मजबूती दे, इसके लिए 16 अप्रैल से संसद के बजट सत्र की विशेष बैठक का आयोजन होने जा रहा है।

विपक्ष के किसी आरोप का उल्लेख किए बिना प्रधानमंत्री ने महिलाओं के बीच यह संदेश देने का प्रयास किया कि सरकार का निर्णय श्रेय लेने की होड़ नहीं और राजनीति से भी प्रेरित नहीं।

पीएम बोले- लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा था, चर्चा भी होती थी। इस विमर्श को करीब-करीब चार दशक बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने-अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।

# अक्षय तृतीया पर 25 जोड़ों का सामूहिक विवाह, भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर के विधानसभा क्षेत्र एक के रानी लक्ष्मीबाई मंडल द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर एक दिव्य और भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 19 तारीख को माननीय कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में संपन्न होगा, जिसमें क्षेत्र के साधु-संतों का सानिध्य और आशीर्वाद भी प्राप्त होगा।

मंडल के अध्यक्ष चंदन सिंह बैस और उनकी पूरी टीम इस आयोजन को सफल बनाने में जुटी हुई है। समारोह में 24 जोड़ों का विवाह पूरे हिंदू रीति-रिवाज और विधि-विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए विद्या धाम से ब्राह्मणों की टीम को आमंत्रित किया गया है, जो सभी वैदिक परंपराओं के अनुसार विवाह संस्कार संपन्न कराएंगे।

इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को सहयोग प्रदान करना है। सभी जोड़ों का चयन परिवार की सहमति और उनकी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया गया है। आयोजकों द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस बार स्वजातीय विवाह को प्राथमिकता दी गई है।

विवाह समारोह में प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को लगभग एक लाख रुपये तक की गृहस्थी सामग्री प्रदान की जाएगी, जिससे वे अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत बेहतर तरीके से कर सकें। रविवार 12 अप्रैल को इस आयोजन की शुरुआत शादी समारोह के लिए बनने वाले मंडप के भूमि पूजन से हुई। जिसकी शुरुआत पूर्व विधायक श्री आकाश विजयवर्गीय के कर कमलो द्वारा की गयी। भूमि पूजन में विद्याधाम से पधारे पुरोहितों ने विधि विधान से पूजा सम्पन्न कराई। तत्पश्चात दूल्हा-दुल्हन को पारंपरिक वस्त्र भी दिए गए और उनके परिजनों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है।

आयोजन से पूर्व चंदन सिंह बैस और उनकी टीम द्वारा बाबा बाणेश्वर का आशीर्वाद भी लिया गया । यह पूरा कार्यक्रम मंडल, उनके परिवार और सहयोगी मित्रों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सामाजिक समरसता और सेवा भाव को बढ़ावा देना है।

## सोशल मीडिया पर दोस्ती पड़ी भारी, 12 साल की छात्रा से दुष्कर्म

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** हीरानगर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 12 साल की एक छात्रा के साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित छात्रा और आरोपी आरव के बीच कुछ समय पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए बातचीत शुरू हुई थी। आरोपी सेल्स टैक्स कॉलोनी का निवासी है और उसके पिता सेल्स टैक्स विभाग में कार्यरत हैं। दोस्ती के बाद आरोपी ने छात्रा से मेलजोल बढ़ाया और फिर उसके साथ गलत काम किया।

पीड़ित छात्रा ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने न केवल उसके साथ दुष्कर्म किया बल्कि उसे डराया और धमकाया भी। आरव ने छात्रा से कहा कि उसे किसी को रुपए देने हैं और इसी बहाने उसने छात्रा के घर से सोने के जेवर और नकदी मंगवाकर अपने पास रख लिए। 9 अप्रैल को आरोपी ने दोबारा छात्रा पर दबाव बनाया और उसके साथ फिर से गलत कृत्य किया।

परिजनों की पूछताछ में हुआ खुलासा- मामले का खुलासा तब हुआ जब छात्रा के परिजनों ने घर में जेवर और नकदी गायब देखी। संदेह होने पर जब उन्होंने छात्रा से कड़ाई से पूछताछ की तो वह फूट-फूटकर रो पड़ी और अपनी आपबीती सुनाई।

इसके बाद रविवार रात परिजन छात्रा को लेकर हीरानगर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

टीआई सुशील पटेल ने बताया कि छात्रा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज की। रविवार रात को ही पुलिस की टीम ने आरोपी के घर पर दबिश दी और उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और चोरी गए जेवर व नकदी की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

## इंदौर में ई रिक्शा बेलगाम, न तय किराए से चलते है, न रुट के हिसाब से

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर की सड़कों पर दस हजार से ज्यादा ई-रिक्शा चल रहे हैं, और उनमें से ज्यादातर बिना नियमों का पालन किए संचालित हो रहे हैं। वे सड़क पर कहीं भी सवारी के लिए खड़े हो जाते हैं। परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा का किराया तय किया है, लेकिन चालक मनमाना किराया वसूल रहे हैं। डेढ़ साल पहले किराए को लेकर आदेश जारी हुआ था, जिसमें दो किलोमीटर तक प्रति यात्री दस रुपये और उसके बाद प्रति किलोमीटर पांच रुपये किराया तय किया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं होने के कारण इसका पालन नहीं हो रहा है।

शहर में ई-रिक्शा के लिए कुछ रूट तय किए गए थे, लेकिन उनका पालन भी नहीं किया जा रहा है। इंदौर में कई रूटों पर ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं, लेकिन उनके लिए निर्धारित स्टैंड नहीं हैं। इस कारण वे कहीं भी खड़े हो जाते हैं। चौराहों पर लेफ्ट टर्न पर भी कई बार ई-रिक्शा खड़े नजर आते हैं। चार किलोमीटर के लिए 80 से 100 रुपये तक किराया वसूला जा रहा है। मनमाने किराए को लेकर कई बार यात्रियों के साथ बदसलूकी भी होती है। कई चालक ई-रिक्शा का उपयोग कबाड़ और सब्जी बेचने के लिए भी कर रहे हैं।

भोपाल में ई-रिक्शा दुर्घटना के बाद इंदौर और भोपाल में स्कूली बच्चों के परिवहन पर रोक लगाई गई थी, लेकिन कई छोटे स्कूल अब भी ई-रिक्शा का उपयोग कर रहे हैं। इंदौर के राजवाड़ा क्षेत्र में ई-रिक्शा की आवाजाही और पार्किंग पर प्रतिबंध है, फिर भी वहां ई-रिक्शा खड़े देखे जा सकते हैं।

## कड़ी सुरक्षा के बीच हुई UPSC NDA-CDS परीक्षा, पांच हजार छात्र हुए शामिल

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा- 2026 तथा संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा- 2026 आज, 12 अप्रैल को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इंदौर के 13 उपकेंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में कुल 5493 परीक्षार्थी शामिल हुए। आयोग की इन प्रमुख परीक्षाओं के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा और सुविधाओं के कड़े इंतजाम किए गए थे।

परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले छात्रों ने पेपर के स्तर को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। उज्जैन के राजा शर्मा ने कहा कि मेरा यह पहला प्रयास था और पेपर काफी अच्छा रहा। पेपर का स्तर %मॉडरेट% (औसत) था, जिसमें फॉर्मूले और कॉन्सेप्ट्स पर आधारित प्रश्न अधिक पूछे गए थे। मैंने इसके लिए सेल्फ स्टडी की थी। हरिसिंह राजपूत खंडवा से परीक्षा देने आए थे। उन्होंने कहा कि इस बार पेपर काफी चुनौतीपूर्ण और विशिष्ट था। कुछ ऐसे प्रश्न आए जिनकी उम्मीद नहीं थी। मेरा अनुभव औसत रहा। इंदौर के छात्र सक्षम पाटीदार ने कहा कि यह मेरा दूसरा प्रयास था। प्रश्न पत्र मॉडरेट से हार्ड श्रेणी का था। मैंने इसके लिए इंदौर से ही कोचिंग ली है और मेरा पेपर ठीक रहा।

13 केंद्रों पर एक सप्ताह पहले शुरू हो गई थी व्यवस्थाएं- परीक्षा के सफल संचालन के लिए कमिश्नर डॉ. सुदाम खाड़े (परीक्षा समन्वयक अधिकारी) और डिप्टी कमिश्नर सपना एम. लोवंशी (प्रभारी परीक्षा अधिकारी) के नेतृत्व में पुख्ता व्यवस्था की गई थी। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्त निरीक्षण अधिकारियों एनआर राव, डॉ. डीके सेठ और अमीर यादव ने केंद्रों का जायजा लिया। साथ ही, सभी 13 केंद्रों पर स्थानीय निरीक्षण अधिकारियों की भी तैनाती रही।

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के लिहाज से सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे और मेटल डिटेक्टर के माध्यम से परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग की गई। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सभी केंद्रों पर फेस ऑथेंटिकेशन भी किया गया। सभी केंद्रों पर पेयजल, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखा गया।

## इंदौर भाजपा ग्रामीण का: पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का समापन

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण द्वारा आयोजित %पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026% के नगर मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक एवं भाजपा संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत शामिल हुए।

अपने ओजस्वी संबोधन में उन्होंने कहा कि भाजपा में प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जो कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत बनाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के सिद्धांतों के प्रति समर्पित रहने और केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने का माध्यम है। अनुशासन और संगठन की रीति-नीति का पालन ही भारतीय जनता पार्टी को अन्य दलों से अलग पहचान दिलाता है।

सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश- रणवीर सिंह रावत ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण भाव से कार्य करना ही भाजपा का मूल मंत्र है।

संगठनात्मक चर्चा और रणनीति- सत्र के दौरान आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और जनसेवा को और प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहने का संकल्प लिया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी जेपी नागर के अनुसार कार्यक्रम में संगठन के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर विधायक उषा ठाकुर, पूर्व विधायक जीतू जिराती, उमा नारायण पटेल, देवराज सिंह परिहार, राधेश्याम यादव, रामविलास पटेल, महामंत्री रामस्वरूप गहलोत, पूंजालाल नीनामा, चिंटू वर्मा, अशोक अधिकारी, पियूष विजयवर्गीय, मंडल अध्यक्ष रवि चौधरी सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम नारोलिया ने किया, जबकि आभार अदिति राठौर ने माना। समापन सत्र के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत गाकर राष्ट्र सेवा का संकल्प दोहराया।

## 24 घंटे में अंधे कत्ल का खुलासा, जादू-टोना के शक में हुई निर्मम हत्या तीन आरोपी गिरफ्तार

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगरीय क्षेत्र में हुए अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए थाना राजेन्द्रनगर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने खुलासा किया कि यह हत्या जादू-टोना के शक में की गई थी।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून/व्यवस्था) आर.के. सिंह के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त जोन-1 कृष्ण लालचंदानी और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त गांधीनगर निधि सक्सेना के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। थाना प्रभारी राजेन्द्रनगर उप निरीक्षक विकास शर्मा ने टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

11 अप्रैल 2026 को अहीरखेड़ी मल्टी के सामने एक खाली मैदान में एक अज्ञात युवक का शव मिला था, जिसकी ईंट-पत्थरों से कुचलकर हत्या की गई थी। मामले में मर्ग क्रमांक 55/2026 एवं अपराध क्रमांक 322/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मौके से मिले दो क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया। इसके आधार पर मृतक की पहचान गोलू उर्फ कृष्ण कुमार अहिरवार (28 वर्ष), निवासी मकरोनिया, सागर के रूप में हुई।

साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने विकास कोसे (28 वर्ष), कृष्णा भिड़े (22 वर्ष) और भूरा उर्फ भूरिया हरवाल (30 वर्ष) को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में मुख्य आरोपी विकास कोसे ने बताया कि उसे मृतक पर जादू-टोना करने का संदेह था, जिसके चलते वह उससे बार-बार विवाद करता था। घटना वाले दिन शराब पीने के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि तीनों ने मिलकर ईंट-पत्थरों से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

फिलहाल पुलिस आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर रही है और उन्हें न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा। इस पूरे प्रकरण के खुलासे में थाना राजेन्द्रनगर और थाना राऊ की संयुक्त टीम की अहम भूमिका रही, जिनकी त्वरित कार्रवाई से गंभीर अपराध का शीघ्र पर्दाफाश संभव हो सका।

## आंबेडकर जयंती के लिए एक लाख लोगों का भोजन बनना शुरू, महू में रिकॉर्ड तोड़ भीड़ की संभावना

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह के उपलक्ष्य में महू में लगभग 1 लाख श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए भोजन प्रसादी की बड़े स्तर पर तैयारियां की गई हैं। प्रशासनिक स्तर पर दिन-रात भोजन निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। शनिवार से ही मीठी बूंदी, लौंजी और राम भाजी के लिए सब्जी काटने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। देर रात तक हलवाइयों की टोली बूंदी तैयार करने में जुटी रही। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए आज दिनभर अन्य ताजा खाद्य पदार्थ तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रशासन ने यह योजना भी बनाई है कि यदि श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होती है, तो व्यवस्थाओं को तत्काल प्रभाव से विस्तार दिया जाएगा।

महू में देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो चुका है। उम्मीद जताई जा रही है कि आज देर शाम तक भारी संख्या में लोग शहर में जमा हो जाएंगे, जिसे देखते हुए प्रशासन ने भोजन व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद कर दिया है। खाद्य विभाग ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 8-8 टीमों को अलग-अलग ड्यूटी सत्रों में विभाजित किया है। इन टीमों को भोजन निर्माण से लेकर वितरण और श्रद्धालुओं की सटीक गणना तक की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त एक सुरक्षा दल को रिजर्व में भी रखा गया है।श्रद्धालुओं को परोसी जाने वाली प्रसादी की थाली में 6 पूड़ी, मिक्स सब्जी, मीठी बूंदी, लौंजी, 100 ग्राम मूंग दाल-चावल की खिचड़ी और दो तली हुई मिर्च शामिल होंगी। स्वच्छता बनाए रखने के लिए डिस्पोजेबल प्लेट्स का उपयोग किया जाएगा। खाद्य विभाग के अधिकारी मोहन मारू ने स्पष्ट किया कि गर्मी के कारण भोजन को दूषित होने से बचाने के लिए विशेष तकनीकी प्रबंध किए गए हैं।

टोकन से मिलेगा भोजन- पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन ने 8-8 सदस्यों के विशेष दल गठित किए हैं। ये दल दो अलग-अलग सत्रों में कार्य करेंगे और इनकी जिम्मेदारियां पूर्व निर्धारित हैं। इन दलों का मुख्य कार्य भोजन निर्माण स्थल पर सामग्री की उपलब्धता, प्लेटों की संख्या और टोकन की सटीक गणना करना है। साथ ही भोजन की गुणवत्ता की निरंतर जांच और समय पर वितरण सुनिश्चित करना इनकी प्राथमिकता होगी। वितरण केंद्रों पर भीड़ प्रबंधन, भोजन पैकेटों का हिसाब रखना और वितरण पश्चात शेष सामग्री की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपना भी इनके कार्यक्षेत्र में शामिल है। प्रत्येक दल वरिष्ठ अधिकारियों के सीधे पर्यवेक्षण में कार्य करेगा ताकि किसी भी स्तर पर चूक न हो।

दो दिवसीय आयोजन के लिए बनाई स्वयंसेवकों की फौज- भोजन निर्माण और वितरण स्थलों पर श्रद्धालुओं के बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ ठंडे पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यदि किसी भी स्थान पर अव्यवस्था की स्थिति निर्मित होती है, तो तैनात टीमें तुरंत सुधार कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करेंगी।

## मेयर इन कौंसिल की विशेष बैठक संपन्न, नारी शक्ति अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पारित

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में मेयर इन कौंसिल की विशेष बैठक सिटी बस ऑफिस में आयोजित की गई, जिसमें नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित महापौर परिषद के सदस्य, अपर आयुक्त और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक के दौरान सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया द्वारा निगम के सभी आयोजनों के प्रारंभ में राष्ट्रीय गीत और समापन पर राष्ट्रीय गान गाने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे भी सभी सदस्यों ने सहमति से मंजूरी दी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल अधिकार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व में देश को सशक्त बनाना इसका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को राजनीति में नेतृत्व का अवसर मिलेगा, जिससे देश की दिशा और दशा दोनों मजबूत होंगी।

महापौर ने यह भी कहा कि यह कानून विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और नगर निगम इस अधिनियम के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिला पार्षदों और जनप्रतिनिधियों को इस पहल के लिए बधाई देते हुए विश्वास जताया कि महिलाओं की भागीदारी से देश एक नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

बैठक में विभिन्न विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई। कायाकल्प अभियान के अंतर्गत टिगरिया बादशाह मेन रोड से कुशवाह नगर होते हुए उज्जैन नाका बाणगंगा तक लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से लिंक रोड निर्माण के लिए निविदा आमंत्रण को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही शहर में 98 लाख रुपये से अधिक की लागत से 25 स्मार्ट शौचालयों के निर्माण एवं 15 वर्षों के संचालन-संधारण की योजना को भी मंजूरी दी गई।

कबीट खेड़ी स्थित 245 एमएलडी के एसबीआर आधारित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और 100 एमएलडी क्षमता के पंपिंग स्टेशन के संचालन एवं संधारण कार्य में वृद्धि को स्वीकृति दी गई। इसके अलावा संपत्तिकर अग्रिम 30 जून 2026 तक जमा करने पर 6.25 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय भी लिया गया।

बैठक में लवकुश विहार स्थित उद्यान का नामकरण जसुबेन गोस्वामी के नाम पर करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस प्रकार बैठक में शहर के विकास, महिला सशक्तिकरण और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

## नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का लाइव प्रसारण इंदौर में देखा गया, प्रधानमंत्री के उद्बोधन ने महिलाओं को किया प्रेरित

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' का सीधा प्रसारण इंदौर में सिटी बस ऑफिस के सभागृह में किया गया, जहाँ महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में महिलाओं ने कार्यक्रम को लाइव देखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन को ध्यानपूर्वक सुना।

सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके योगदान और राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में नारी शक्ति की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है और सरकार इस दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

नई दिल्ली में आयोजित इस भव्य सम्मेलन में देशभर से निर्वाचित जनप्रतिनिधि, नीति-निर्माता, शिक्षाविद्, चिकित्सक, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, उद्यमी, स्टार्टअप लीडर, मीडिया प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और कला एवं संस्कृति से जुड़ी महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

इंदौर में आयोजित लाइव प्रसारण कार्यक्रम में महापौर परिषद सदस्य प्रिया डांगी, नंदकिशोर पहाड़िया, निरंजन सिंह चौहान, राजेश उदावत, अभिषेक शर्मा 'बबलू', राकेश जैन सहित कई पार्षद और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर कंचन गिदवानी, रूपाली पेंढारकर, सुनीता हार्डिया, संध्या यादव, बरखा मालू, शिखा दुबे, पूजा पटीदार, मुद्रा शास्त्री, कमल वाघेला, सुरेश कुरवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

## जोन क्रमांक 4 में बड़ी रिमूवल कार्रवाई, 16 रो हाउस तोड़े गए, अवैध कॉलोनी के निर्माण कार्य हटाए

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जोन क्रमांक 04 में सख्त कार्रवाई करते हुए अंजनी नगर और जगदीश नगर क्षेत्र में निर्माणाधीन अवैध कॉलोनियों को हटाया गया। इस दौरान कुल 16 रो हाउस को ध्वस्त किया गया, साथ ही तीन स्थानों पर चल रहे अवैध सड़क और ड्रेनेज निर्माण कार्यों को भी हटाया गया।

नगर निगम की टीम ने वार्ड 17 स्थित अंजनी नगर में नाले के किनारे अवैध रूप से बनाए गए 4 रो हाउस को हटाया। इसके अलावा बाणगंगा क्षेत्र के खसरा नंबर 242/1, तहसील मल्हारगंज अंतर्गत जगदीश नगर के पास 12 रो हाउस पर भी रिमूवल कार्रवाई की गई। इसी तरह खसरा नंबर 249/1 बाणगंगा में बिना डायवर्सन और बिना विकास अनुमति के किए जा रहे सड़क और ड्रेनेज निर्माण कार्यों को भी पूरी तरह हटाया गया। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति के विकसित हो रही कॉलोनियों पर लगातार सख्ती जारी रहेगी। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध कॉलोनी में भूखंड खरीदने से पहले आवश्यक अनुमति की जांच अवश्य करें, अन्यथा उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है।

# सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में सिटी फारेस्ट के लिए स्थल चिन्हित कर पौधारोपण करवाए- श्री चंद्रा

## जल संरचनाओं, नालों की साफ-सफाई, गहरीकरण कर मिट्टी निकालने का कार्य प्रारंभ करें-कलेक्टर

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में जल संरचनाओं, तालाबों, बावडियों और नालों की साफ-सफाई एवं गहरीकरण, जनसहयोग से करवाकर मिट्टी निकालने का कार्य तत्काल प्रारंभ करवाएं। साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण में सभी निकाय अपने निकाय की रैंक, गत सर्वेक्षण की तुलना में सुधारने का प्रयास करें। नगरीय क्षेत्रों में नियमित रूप से रात्रि कालीन स्वच्छता अभियान चलाए। सभी निकाय स्वच्छता सर्वेक्षण में टॉप 20 रैंक में शामिल होने का हर संभव प्रयास करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिले के सभी सीएमओ की बैठक में नगरीय विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में शहरी विकास परियोजना अधिकारी श्री पराग जैन, सीएमओ नीमच श्रीमती दुर्गा बामनिया सहित जिले की सभी निकायों के सीएमओ उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी निकायों को निर्देश दिए, कि वे ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल संकट का आंकलन कर, अभी से निजी जल स्त्रोतो का अधिग्रहण करवा लें, जिससे कि मई, जून में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की कोई संभावना ना रहे।

दल गठित कर सम्पत्ति का सर्वे करवाएं- कलेक्टर ने सभी सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे सम्पत्ति कर, जल कर व अन्य करों की वसूली के लिए ठोस प्रयास करें, जिससे कि निकायों को राजस्व प्राप्ति में बढ़ोत्तरी हो और वे आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सकें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी निकाय दल बनाकर आवासीय, व्यवसायिक व अन्य सम्पत्तियों का सर्वेक्षण कार्य करवाकर करों की वास्तविक मांग कायम कर, उसके आधार पर करों की वसूली करें।

पेयजल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई- बैठक में कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को पेयजल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई करवाने, पेयजल की गुणवत्ता जांच करवाने, टंकियों की साफ-सफाई, चेम्बर की साफ-सफाई नियमित रूप से करवाने के निर्देश सभी सीएमओ को दिए।

नालों को अतिक्रमण मुक्त करवाएं- कलेक्टर ने सभी सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे शहरी नालो को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए अभियान चलाए। सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण करवाएं, सड़कों के दोनो ओर टी-गार्ड के साथ बड़े पौधे लगवाए। बावडियों, जल स्त्रोतो की साफ- सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य करवाए और नगरीय क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ एवं शीतल जल उपलब्ध कराने के लिए प्याऊ की व्यवस्था करें। बैठक में निकायवार निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई और सभी निर्माण कार्य तय सीमा में पूर्ण करवाने के निर्देश भी दिए गये।

## नपा नीमच द्वारा विविध वसूली मद में 25.73 करोड़ की वसूली

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगरपालिका परिषद नीमच द्वारा अर्थवर्ष 2025-26 के दौरान विविध वसूली मद में 25.73 करोड की उल्लेखनीय वसूली की गई है। कलेक्टर जिला नीमच द्वारा समय-समय पर मासिक समीक्षा बैठक में वसूली को लेकर दिये गये निर्देशों के पालन में नगरपालिका नीमच द्वारा सूचना पत्रों के माध्यम से लीज पर आवंटित भूखण्डों से लीज वसूली, बकाया प्रीमियम, नामांतरण प्रकरणों में अंतरण शुल्क, फ्री होल्ड शुल्क, नगर में विभिन्न स्थानों पर बिना अनुमति लगाये गये होर्डिंग्स से चालान वसूली, नगर के सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर चालान व अन्य मदों में 25.73 करोड़ की वसूली की गई है। निकाय की उक्त उपलब्धि के दृष्टिगत संचालनालय द्वारा दिनांक 16 अप्रेल व 17 अप्रेल 2026 को भोपाल में आयोजित कार्यशाला में वसूली हेतु किये गये उत्कृष्ट प्रयासों के लिये अपना प्रस्तुतिकरण दिये जाने हेतु आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया ने दी है।

## नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सीधा प्रसारण सम्पूर्ण नीमच जिले में देखा गया

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिले में ''नारी शक्ति वंदन'' पखवाडा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जिले में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सीधा प्रसारण नीमच जिले की 6 परियोजना स्तर,39 सेक्टर स्तर एवं 1112 आंगनवाडी केन्द्रों पर बालिकाओं एवं महिलाओं को लाइव प्रसारण दिखाया गया। जिसमें परियोजना स्तर पर परियोजना अधिकारी एवं सेक्टर स्तर पर समस्त सुपरवाईजर एवं आंगनवाड़ी केन्द्रो पर कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के तहत विभिन्न आयोजन 10 अप्रैल 2026 से 25 अप्रैल 2026 तक ग्राम पंचायत से जिला स्तर तक आयोजित किए जा रहे है। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पण्ड्या ने दी है।

## जल गंगा संवर्धन अभियान जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** म.प्र.जन अभियान परिषद जिला नीमच द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के द्वितीय चरण में विकासखण्ड नीमच में प्रस्फुटन ग्राम भरभडिया में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया गया। मनासा विकासखंड में प्रस्फुटन कंजार्डा में रूपा नदी घाट पर स्वच्छता श्रमदान एवं नदी पूजन किया गया। दो घंटे चले श्रमदान में सामूहिक श्रमदान से घाट और पुलिया की सफाई कर गंदगी साफ की गई। इस दौरान जिला समन्वयक श्री वीरेंद्र सिंह ठाकुर, ब्लॉक समन्वयक, परामर्शदाता, नवांकुर संस्था विवेकानंद युवा मंडल,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष सहित सदस्यगण और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी उपस्थित थे।

## अवैध संबंध में अवरोध बन रहे युवक का गला घोंटा, शव जलाया, घटना को लेकर भारी आक्रोश

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भानपुरा तहसील के दुधाखेड़ी गांव से शुक्रवार 10 अप्रेल से लापता 34 वर्षीय युवक धनराज पिता बाबुनाथ कि लाश के अवशेष मिले आरोपियों ने धनराज को गला घोटकर मार दिया ओर उसके शव को जला दिया ओर अवशेष पंकज चौधरी ने अपने खेत में ओर कुएं में डाल दिया इस घटना को अवैध संबंध से लेकर जोड़ा जा रहा है। जिसकी पुष्टि ग्राम वासियों व परिजनों ने की मुख्य रूप से इसमें पंकज चौधरी उम्र 40 वर्ष पिता रमेश चौधरी का नाम आया है। इसके ओर मृतक कि पत्नी के अवैध संबंध थे। संबंध में अवरोध होने पर शुक्रवार कि रात आरोपी ओर उसके अन्य साथी मृतक को घर से बुलाकर मोटर साइकिल पर बिठाकर आरोपी के खेत पर ले गये ओर वहां धनराज को गला घोटकर मार दिया। ओर बाद में मृतक कि पत्नी के साथ आकर गुमशुदगी कि रिपोर्ट दी। इसके पुर्व मृतक के पुत्र नीतेश ने भी 12 अप्रैल को अपने पिता के गुमशुदगी का पत्र भानपुरा पुलिस थाने पर दिया था। पुलिस ने अपने स्तर से जांच कि ओर घटना का पर्दाफाश होने में ज्यादा देर नहीं लगी। अभी पुलिस खोजबीन कर रही है कि इस वारदात में किस किस का हाथ है। ग्रामीणों ने कहा कि मृतक आरोपी का ट्रेक्टर भी चलाता था। साथ ही आरोपी के खेत में काम भी करता था। ओर दोनों का मकान भी समीप है। थाना प्रभारी रमेशचंद दांगी ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ने जिस दिन 10 अप्रेल को ही अपने खेत पर ले जाकर धनराज को मार दिया। ओर बाद में मृतक के परिजनों को गुमराह करता रहा।

## ई-टोकन व्यवस्था केवल यूरिया पर लागू हो, अन्य खाद को मुक्त रखा जाए- अशोक कुमठ

### अशोक कुमठ ने कृषि मंत्री को लिखा पत्र, किसानों व व्यापारियों की समस्याएं गिनाई

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश में 1 अप्रैल से खाद वितरण के लिए लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था अब किसानों और व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। इस संबंध में फटि. एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ (पिपलिया स्टेशन) ने कृषि मंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि ई-टोकन प्रणाली को केवल यूरिया तक सीमित रखा जाए, जबकि अन्य फॉस्फेटिक एवं पोटाशिक उर्वरकों को इस व्यवस्था से मुक्त किया जाए। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां इस प्रकार की डिजिटल व्यवस्था लागू की गई है। सरकार का उद्देश्य यूरिया की कालाबाजारी पर रोक लगाना और इसके अनियंत्रित उपयोग को सीमित करना है। वर्तमान में 1635 रुपए लागत वाला यूरिया किसानों को मात्र 265 रुपए में उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे इसकी मांग अत्यधिक बढ़ गई है और कालाबाजारी को बढ़ावा मिला है। कुमठ ने बताया कि किसान यूरिया का अंधाधुंध उपयोग कर रहे हैं, जिससे भूमि की उर्वरता धीरे-धीरे समाप्त हो रही है और खेत बंजर होने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। वहीं सरकार पर भी भारी सब्सिडी का आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे में फसलवार सॉफ्टवेयर के माध्यम से निर्धारित मात्रा में यूरिया वितरण का निर्णय उचित है, लेकिन इसका क्रियान्वयन वर्तमान स्वरूप में व्यवहारिक नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने से कई नई समस्याएं सामने आ रही हैं। फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर 1985 के अनुसार देश का कोई भी किसान कहीं से भी खाद खरीद सकता है, लेकिन ई-टोकन प्रणाली इस स्वतंत्रता को सीमित कर रही है। पिपलियामंडी क्षेत्र में उज्जैन, इंदौर और धार सहित आसपास के जिलों के किसान अपनी फसल, विशेषकर लहसुन बेचने के लिए आते हैं और यहीं से खाद खरीदते हैं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद ऐसे किसानों को खाद प्राप्त करने में कठिनाई होगी, जिससे व्यापार और कृषि दोनों प्रभावित होंगे। कुमठ ने बताया कि ई-टोकन के लिए तैयार किए गए सॉफ्टवेयर में कई तकनीकी कमियां हैं। कई फसलें जैसे तरबूज और खरबूज इस सिस्टम में शामिल नहीं हैं, जिससे उन किसानों को टोकन ही नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा, कई मामलों में वास्तविक आवश्यकता से कम खाद की मात्रा निर्धारित की जा रही है। उदाहरणस्वरूप, जहां किसान को 10 बोरी डीएपी की आवश्यकता होती है, वहां सिस्टम केवल 5 बोरी ही दिखा रहा है। इससे किसानों की उत्पादन क्षमता प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने यह भी बताया कि यह व्यवस्था केवल मध्यप्रदेश में लागू की गई है, जबकि सीमावर्ती राज्य राजस्थान और महाराष्ट्र में अभी तक ऐसी कोई प्रणाली लागू नहीं है। इससे प्रदेश के व्यापार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और किसान दूसरे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं। वर्तमान में डीएपी जैसे उर्वरकों पर व्यापारियों को बहुत कम मार्जिन मिल रहा है, ऐसे में ई-टोकन की जटिल प्रक्रिया से उनका कार्य और कठिन हो गया है। कई व्यापारी इस कारण अपना व्यवसाय समेटने की स्थिति में पहुंच रहे हैं, जिससे कालाबाजारी को और बढ़ावा मिल सकता है। कुमठ ने कहा कि इस नई व्यवस्था को लागू करने से पहले सरकार को किसानों और व्यापारियों को उचित प्रशिक्षण देना चाहिए था। साथ ही उन्हें विश्वास में लेना भी आवश्यक था। वर्तमान में सर्वर डाउन, नेटवर्क की समस्या और तकनीकी बाधाएं इस व्यवस्था को और जटिल बना रही हैं। खाद जैसी आवश्यक वस्तु के लिए किसान इंतजार नहीं कर सकता, उसे समय पर खाद उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। पत्र के माध्यम से अशोक कुमठ ने सरकार से मांग की है की कि ई-टोकन व्यवस्था को केवल यूरिया तक सीमित रखा जाए। अन्य उर्वरकों (डीएपी, पोटाश आदि) को इस प्रणाली से बाहर रखा जाए। सॉफ्टवेयर की खामियों को दूर कर सभी फसलों को शामिल किया जाए। किसानों और व्यापारियों को प्रशिक्षण देकर जागरूक किया जाए। सर्वर व नेटवर्क समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। अंत में उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस व्यवस्था की समीक्षा कर सुधार नहीं किया गया, तो किसान और व्यापारी दोनों सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। इस समस्या का समाधान पुलिस कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यावहारिक और संवेदनशील नीति से ही संभव है।

## पुलिस पेंशनर्स संघ द्वारा पुलिस महानिदेशक भोपाल के नाम दिया ज्ञापन, जताया विरोध

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार के द्वारा बताया गया कि दिनांक 7 अप्रैल 2026 को पन्ना छतरपुर मार्ग पर मडला थाना जिला पन्ना में थाने के सामने वैधानिक रूप में आरक्षक बाबू साहू के द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान 80 वर्षीय भारत सिंह चौहान जो पुलिस विभाग के कोउप पुलिस अधीक्षक के पद से सेवा निवृत हैं और उनकी 76 वर्षीय पत्नी श्रीमती राजश्री जी चौहान के साथ अभद्र व्यवहार किया गया जब उनके द्वारा विरोध किया गया तो थाना मंडला जिला पन्ना की थाना प्रभारी रचना पटेल एवं अन्य 8/10 पुलिस कर्मियों के द्वारा उनके साथ अवैध व्यवहार करते हुए झूठी कहानी बनाई जाकर कि उनकी पत्नी के द्वारा आरक्षक के ऊपर राइफल तान कर जान से मारने की धमकी दी गई और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई का झूठा मुकदमा पंजीबद्ध किया जाकर उनको गिरफ्तार किया गया। जबकि वीडियो फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि उनकी पत्नी के द्वारा राइफल अपनी बगल में दबा रखी है। सामने तानने का कोई भी फुटेज मौजूद नहीं है। इस प्रकार जिला पन्ना की पुलिस अधीक्षक के द्वारा भी इस घटना की वास्तविकता से परे रहकर थाना प्रभारी और अन्य पुलिस कर्मियों का सहयोग किया जो घोर निंदनीय है।

पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के द्वारा मध्य प्रदेश के जिला मंदसौर, नीमच, रतलाम, देवास, उज्जैन, शाजापुर आगर, इंदौर, धार, झाबुआ, खरगोन, बड़वानी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ, निवाड़ी, दमोह दतिया शिवपुरी, गुना, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, राजगढ़, भोपाल आदि 32-33 जिलों में एक साथ उक्त अन्याय पूर्ण कार्रवाई के विरोध में पुलिस महानिदेशक भोपाल के नाम संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों के माध्यम से ज्ञापन दिया गया है। पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश ने मांग की है कि थाना मंडला जिला पन्ना में पंजीबद अपराध में तत्काल ई आर भेजी जावे, पुलिस अधीक्षक पन्ना थाना प्रभारी मंडल व अन्य संबंधित पुलिस अधिकारी कर्मचारियों पर तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की जावे, थाना मंडल के अपराध क्रमांक 15 अगस्त 26 की जांच पन्ना जिले के अलावा अन्य जिले के किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कराई जावे। यदि पुलिस पेंशनर संघ द्वारा की गई मांगों को नहीं माना गया तो आगे पुलिस पेंशनर्स के द्वारा कड़ा आंदोलन धरना प्रदर्शन आदि किए जाएंगे। पुलिस मुख्यालय की ओर से ऐसे निर्देश जारी किए जाएं की मध्य प्रदेश के सभी जिलों में सेवानिवृत पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार किया जाए, एक तरफ हमें वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करना सिखाया जा रहा है और वहीं पर 80 वर्षीय भारतसिंह एवं 76 वर्षीय राजश्री के विरुद्ध गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया जाकर गिरफ्तार किया गया जो घोर आपत्तिजनक है। इसको लेकर एमपी सिंह परिहार संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष के नेतृत्व में मंदसौर में डीजीपी के नाम ज्ञापन पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि सीएसपी मंदसौर को दिया गया। ज्ञापन देते समय कार्यवाहक जिला अध्यक्ष ब्रजेश दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव शंकर सिंह तोमर, मीडिया प्रभारी शंभू सिंह चुंडावत, राधेश्याम परमार, भारत सिंह सिसोदिया, लाइक खान, अमीन खान, नरेंद्र व्यास, महिला सदस्य पुष्पा राठौड़, चंद्रकला रायसिंह यादव, गुमान सिंह हाडा, चैन सिंह सोनगरा, दशरथ सिंह चौहान आदि तमाम पुलिस पेंशनर्स उपस्थित रहे।

## नल-जल योजना बनी खुशहाल जीवन की धारा, दिव्यांग राजू पांडे को मिला सम्मानजनक रोजगार

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी सोच और दूरदर्शी नीतियों का प्रभाव अब गांव-गांव में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इसका एक उदाहरण सीहोर जिले के ग्राम मालिबाया में देखने को मिलता है, जहां जल जीवन मिशन (नल-जल योजना) ने न केवल गांव की तस्वीर बदली, बल्कि एक दिव्यांग व्यक्ति के जीवन में भी नई रोशनी भर दी। ग्राम मालिबाया, जो प्राकृतिक सुंदरता से घिरा एक छोटा सा गांव है, यहां के 168 परिवार वर्षों से पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे थे। गांव की महिलाएं रोजाना 1 से 2 किलोमीटर दूर जाकर पानी लाने को मजबूर थीं। सुबह तड़के 4-5 बजे उठकर कुएं और हैंडपंप पर लंबी कतारें लगाना उनकी दिनचर्या बन चुकी थी। बारिश के दिनों में दूषित पानी के कारण उल्टी-दस्त, टाइफाइड और पीलिया जैसी बीमारियां भी आम हो गई थीं। इसी बीच मध्यप्रदेश सरकार की जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत मर्दानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के माध्यम से गांव में घर-घर नल कनेक्शन के जरिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना शुरू हुआ। यह पहल गांव के लिए किसी वरदान से कम नहीं थी। इस बदलाव की कहानी का सबसे प्रेरणादायक पहलू है गांव के दिव्यांग निवासी राजू पांडे का जीवन। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी, लेकिन दिव्यांग होने के कारण उन्हें रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे थे।

## दवा की दुकान को बनाया जा रहा प्रयोगशाला, ज्ञापन सौंपा

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड द्वारा फार्मासिस्ट के अधिकारों को कम करते हुए जो आदेश जारी किया गया हे उसको लेकर मध्यप्रदेश फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा विरोध दर्ज करते हुए एक ज्ञापन दिया गया।

एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मिथुन वसा ने बताया कि हाल ही में ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की 93वीं बैठक में ड्रग्स एक्ट 1945 के नियम 64 में बदलाव का प्रस्ताव बनाया गया है। इसके अनुसार अब दवा दुकान पर पंजीकृत फार्मासिस्ट ही नहीं, बल्कि साइंस ग्रेजुएट भी (सक्षम व्यक्ति) दवाएं बेच सकता है। उक्त गलत निर्णय को लेकर आज एक ज्ञापन केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा के नाम एम पी फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा संयुक्त कलेक्टर देवकुंवर सोलंकी को दिया। ज्ञापन में बताया कि उक्त गलत निर्णय को लेकर संगठन एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड के हालिया फैसले का कड़ा विरोध जताया है। दरअसल, ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की 93वीं बैठक में ड्रग्स एक्ट 1945 के नियम 64 में बदलाव का प्रस्ताव बनाया गया है। इसके अनुसार अब दवा दुकान पर पंजीकृत फार्मासिस्ट ही नहीं, बल्कि साइंस ग्रेजुएट भी (सक्षम व्यक्ति) दवाएं बेच सकता है। उसके पास बस दो साल का अनुभव और 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स होना अनिवार्य होगा। एसोसिएशन का कहना है कि यह मरीजों के साथ खिलवाड़ साबित हो सकता है।

मिथुन वसा ने बताया कि फार्मासिस्ट लाइफ सेविंग ड्रग बेचते हैं। इनके साइड इफेक्ट, डोजिंग और इंटरैक्शन बेहद जटिल होते हैं। बिना पूरी फार्मेसी ट्रेनिंग के दवा वितरण की अनुमति पब्लिक हेल्थ रिस्क है। एमपी में आज 60 हजार से ज्यादा रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट हैं। सरकारी भर्तियां सीमित हैं, इसलिए ये खुदरा दवा दुकानों पर ही रोजगार के लिए निर्भर हैं। देशभर में 35 लाख से ज्यादा पंजीकृत फार्मासिस्ट हैं, जिनमें से 73त्न बेरोजगार या पार्ट टाइम रोजगार में हैं। हर साल करीब 2 लाख नए छात्र फार्मेसी की पढ़ाई पूरी कर इस क्षेत्र में आते हैंऐसे में फार्मासिस्ट के रोजगार को छीनकर अन्य को देना न्यायोचित नहीं है। साथ ही आमजन के स्वास्थ्य के साथ कही न कही खिलवाड़ होना ही है। अतः संगठन का केंद्र सरकार से निवेदन हे कि डीटीएबी की इस सिफारिश को तुरंत अस्वीकार करे तथा फार्मेसी पेशे को होने वाले आघात से बचाए। ज्ञापन देते समय संगठन के जिला सचिव दीपक राठौर, जिला उपाध्यक्ष कपिल गौर, संगठन मंत्री लोकेश जैन, कोषाध्यक्ष रंजीत बसवा उपस्थित थे। उक्त जानकारी संघटन के वरिष्ठ संरक्षक नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने दी।

## चयनित ग्रामों में निर्माण एवं विकास के कार्य व्यवहारिक और सर्वथा उपयोगी हों - कलेक्टर

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत जिला अभिसरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के ने कहा कि योजना के अंतर्गत चयनित सभी ग्रामों में निर्माण विकास के कार्य व्यवहारिक और सर्वथा उपयोगी हों। उन्होंने कहा की गावों की आवश्यकताओं और उपयोग को ध्यान में रखकर कार्यों का निर्धारण करें, ताकि इस योजना का उद्देश्य सार्थक हो सके। उन्होंने चयनित ग्रामों में संचालित विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, प्रस्तावित कार्यों तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं के अभिसरण की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए ग्रामों के समग्र विकास को सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य चयनित ग्रामों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना है, जिसके लिए आवश्यक है कि सभी विभाग अपनी-अपनी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर मूलभूत सुविधाएं जैसे सड़क, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

## 7 दिन से ठप बिजली व्यवस्था, टूटे 11 केवी पोल नहीं बदले, तीन गांवों के किसान परेशान

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** बालागुढ़ा क्षेत्र के उमरिया गांव में पिछले सात दिनों से विद्युत आपूर्ति ठप होने से किसान परेशान है। उमरिया के रोहित पाटीदार ने बताया 7 अप्रैल की शाम आए तेज आंधी-तूफान ने क्षेत्र के कई गांवों की बिजली व्यवस्था को पूरी तरह से चरमरा दिया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि घटना के एक सप्ताह बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के बालागुड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उमरिया, सुजानपुर और अम्बाव में 11 केवी लाइन के कई बिजली पोल टूटकर गिर गए थे, जिनकी अब तक मरम्मत नहीं की गई है। इस लापरवाही का खामियाजा सीधे तौर पर किसानों को भुगतना पड़ रहा है। बिजली सप्लाई बाधित होने के कारण खेतों की सिंचाई पूरी तरह ठप पड़ी है। गर्मी के इस मौसम में फसलों और विशेष रूप से पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था करना किसानों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। समय पर पानी नहीं मिलने से चारा सूखने की कगार पर है और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वे लगातार विद्युत वितरण केंद्र के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें एक ही जवाब मिलता है, ÷पोल उपलब्ध होंगे तो काम शुरू किया जाएगा। किसानों का आरोप है कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और सुपरवाइजर शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कई बार फोन और व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने के बावजूद केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। किसानों ने बताया कि पिछले 7 दिनों से वे वैकल्पिक साधनों से पानी की व्यवस्था करने को मजबूर हैं, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। डीजल पंप या अन्य संसाधनों का सहारा लेने से लागत में इजाफा हो रहा है, जबकि पहले से ही फसल की स्थिति और बाजार के हालात चुनौतीपूर्ण हैं।

## नहीं हुआ स्वीमिंग पुल का ठेका, नपा आज से स्वीमिंग पुल चालू करेगी

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** स्वीमिंग पुल का ठेका नहीं हो पाया है। नपा आज से स्वीमिंग पुल चालू करेगी। बता दें कि स्वीमिंग पुल 20 वर्ष पहले ठेके पर संचालित था, लेकिन उस समय आमदनी कमजोर रहने पर ठेका फिर नहीं लिया गया था। तब से ही नगर पालिका स्वीमिंग पुल की देख रेख कर रही है। इस वर्ष स्वीमिंग पुल को टेंडर आधार पर ठेके पर देने का मंथन हो रहा है, तब तक नपा ही स्वीमिंग पुल चलाएगी। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने बताया कि 14 अप्रैल अम्बेडकर की जयंती पर जिला चिकित्सालय के सामने स्थित नगपालिका परिषद के तरणताल (स्वीमिंग पुल) को प्रारंभ किया जा रह है। विगत कई माह से स्वीमिंग पुल में रिपेरिंग व अन्य आवश्यक कार्य हो से स्वीमिंग पुल बंद था। स्वीमिंग पुल के प्रारंभ होने से आम नागरिकगण तैराकी का आनंद ले सकेंगे। जो भी नागरिक जिसमें महिला व बच्चे भी शामिल है वे निर्धारित राशि जमाकर तैराकी का आनंद उठा पायेंगे।

# सम्पादकीय

## शांति वार्ता तार-तार, राष्ट्र प्रमुखों की जिद्द और आसन्न परमाणु युद्ध

अमेरिका, इजरायल और।ईरान के बीच शांति वार्ता के विफल होने पर वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहाँ कूटनीति की भाषा कमजोर और शक्ति-प्रदर्शन की भाषा प्रबल होती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव विशेष रूप से अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच, विश्व को एक संभावित महायुद्ध यहाँ तक कि परमाणु युद्ध की आशंका की ओर धकेल रहा है। इस संपूर्ण घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ और उनके निर्णय भी चर्चा के केंद्र में हैं, जिन्हें लेकर विश्व स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णय पर अमेरिका के नागरिक उनके संसद सदस्य और वैश्विक देश के नेताओं द्वारा भी अविश्वास प्रकट किया जा रहा है उनकी मानसिक स्थिति पर भी अब सवालिया निशान लगने लगे हैं।

ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो शांति वार्ताओं का उद्देश्य सदैव संघर्ष को समाप्त कर स्थिरता स्थापित करना होता है, किंतु हालिया प्रयासों में यह उद्देश्य बिखरता हुआ प्रतीत हो रहा है। जब मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान जैसे कमजोर,आतंकवादी और अपरिपक्व मानसिकता वाले देश को आगे किया गया, तब ही कई कूटनीतिक विश्लेषकों ने इसकी निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया था। किसी भी शांति प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मध्यस्थ देश निष्पक्ष, विश्वसनीय और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य हो। यदि मध्यस्थ ही अपने रणनीतिक हितों में उलझा हो, तो वार्ता का मार्ग स्वतः ही संदिग्ध हो जाता है।

अमेरिका और इज़रायल का दृष्टिकोण ईरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर केंद्रित रहा है, जबकि ईरान अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकारों का सदैव पक्षकार रहा है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांति और ऊर्जा के उद्देश्य से है, परंतु पश्चिमी देशों को इसमें संभावित सैन्य उपयोग की आशंका दिखाई देती है। यही अविश्वास शांति वार्ता को बार-बार विफल करता रहा है।

अमेरिका द्वारा ईरान के प्रस्तावों को अस्वीकार करना इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद की खाई गहरी होती जा रही है। इज़रायल, जो पहले से ही ईरान को कई वर्षों से अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है, और उसके लिए यह लड़ाई अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भी है और वह किसी भी प्रकार के समझौते को लेकर अत्यंत सावधान और अतिरिक्त सतर्क है। ऐसे में जब तीनों शक्तियाँ अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक अड़े हुए और अडिग हों, तो शांति का मार्ग और भी ना मुमकिन सा होता दिखाई देता है।

यदि यह तनाव आगे बढ़कर जैसा की युद्ध विश्लेषक आशंका जाता रहे हैं परमाणु संघर्ष में परिवर्तित होता है, तो इसके परिणाम न केवल अत्यंत भयानक तथा विनाशक होने की संभावना होगी बल्कि युद्ध क्षेत्र भी सीमित नहीं रहेंगे, पूरी दुनिया इसकी जद और बड़े प्रभाव में आ जाएगी। सबसे पहले असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। तेल उत्पादक क्षेत्र होने के कारण पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा, जिससे महंगाई वैश्विक स्तर पर बेकाबू हो जाएगी। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, जहाँ पहले से ही आम जनता महंगाई के दबाव से जूझ रही है। महंगाई का सीधा असर आम जीवन पर पड़ता है।खाद्य पदार्थ, ईंधन, परिवहन, दवाइयाँ सभी की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इससे निम्न और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होगा ह। रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं, और आर्थिक असमानता बढ़ जाती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी परमाणु युद्ध के दुष्परिणाम अत्यंत भयावह होंगे। परमाणु विस्फोट से निकलने वाला विकिरण न केवल तत्काल जनहानि करता है, बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाली बीमारियों को जन्म देता है। कैंसर, जन्मजात विकृतियाँ, मानसिक रोग ये सब ऐसे प्रभाव हैं जो दशकों तक मानवता को झेलने पड़ते हैं। पर्यावरण पर इसका असर भी विनाशकारी होता है,जल, वायु और मिट्टी सभी प्रदूषित हो जाते हैं, जिससे कृषि उत्पादन ठप हो सकता है और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है।

## विचार शून्य अवस्था : मन की वास्तविक शांति



मनुष्य का मन स्वभावतः चंचल है–विचारों की अनवरत धारा में बहता हुआ, कभी अतीत की स्मृतियों में उलझा, तो कभी भविष्य की आशंकाओं में डूबा हुआ। इस सतत विचार प्रवाह में वास्तविक शांति की अनुभूति संभव नहीं हो पाती। सहज योग इसी मूल समस्या का सरल और अनुभवजन्य समाधान प्रस्तुत करता है, जहाँ मन विचार शून्य अवस्था में स्थापित होकर अपनी वास्तविक शांति को प्राप्त करता है।

विचार शून्यता का अर्थ विचारों का दमन नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक शांत हो जाने की स्थिति है। यह वह अवस्था है जहाँ साधक न तो अतीत में भटकता है, न भविष्य की चिंता में उलझता है, बल्कि वर्तमान क्षण में पूर्णतः स्थित हो जाता है। सहज योग की भाषा में इसे निर्विचार समाधि कहा गया है–जहाँ चित्त की वृत्तियाँ शांत होकर आत्मा के प्रकाश में विलीन हो जाती हैं।

योग का वास्तविक उद्देश्य केवल शारीरिक आसनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वय की प्रक्रिया है। जब तक मन विचारों के द्वंद्व में उलझा रहता है, तब तक यह समन्वय अधूरा रहता है। सहज योग इस अधूरेपन को पूर्णता में परिवर्तित करता है, क्योंकि इसमें ध्यान के माध्यम से साधक के भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जागरण होता है, जो धीरे-धीरे चक्रों को शुद्ध करते हुए सहस्रार तक पहुँचती है। सहज योग की प्रणेता श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा 5 मई 1970 को सहस्रार के उद्घाटन के साथ यह पद्धति मानवता को प्राप्त हुई, जिसमें आत्मसाक्षात्कार एक जीवंत अनुभव के रूप में घटित होता है। जैसे ही कुंडलिनी का जागरण होता है, साधक अपने सिर के शीर्ष पर शीतल चैतन्य लहरियों का अनुभव करता है, और उसी क्षण विचारों का प्रवाह स्वतः शांत हो जाता है। यही वह बिंदु है जहाँ मन विचार शून्य होकर वास्तविक शांति का स्पर्श करता है। यह अवस्था केवल क्षणिक अनुभव नहीं, बल्कि नियमित ध्यान के अभ्यास से स्थायी होती जाती है। प्रारंभ में साधक कुछ क्षणों के लिए निर्विचार अवस्था को अनुभव करता है, परंतु धीरे-धीरे यह उसकी स्वाभाविक स्थिति बन जाती है। परिणामस्वरूप उसके भीतर की अशांति, तनाव, क्रोध और भय जैसे विकार स्वतः समाप्त होने लगते हैं। सहज योग की विशेषता इसकी सरलता और सामूहिकता में निहित है। यह कोई जटिल साधना नहीं, बल्कि सहज रूप से घटित होने वाली प्रक्रिया है, जिसमें साधक को किसी प्रकार के दमन या कठोर अनुशासन की आवश्यकता नहीं होती। परिवार के साथ सामूहिक ध्यान करने से यह अनुभव और भी गहरा हो जाता है, क्योंकि सामूहिक चेतना में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अधिक तीव्र होता है।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक और तनावपूर्ण युग में, जहाँ मन निरंतर दबाव में रहता है, विचार शून्य अवस्था केवल आध्यात्मिक विलास नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य की अनिवार्यता बन गई है। सहज योग इस दिशा में एक वैज्ञानिक और प्रमाणित पद्धति के रूप में स्थापित हो चुका है, जिस पर देश-विदेश के अनेक वैज्ञानिकों ने शोध कर इसके लाभों की पुष्टि की है।

वास्तव में शांति बाहर से प्राप्त होने वाली वस्तु नहीं है, यह मन के भीतर ही निहित है–परंतु विचारों का आवरण इसे ढक देता है। जैसे ही यह आवरण हटता है, आत्मा की निर्मल शांति प्रकट हो जाती है। सहज योग इसी आवरण को हटाने की प्रक्रिया है, जो साधक को स्वयं के भीतर स्थित उस शाश्वत शांति से जोड़ देती है।

अतः कहा जा सकता है कि विचार शून्य अवस्था ही मन की वास्तविक शांति है, और सहज योग उस अवस्था तक पहुँचने का सबसे सरल, सहज और प्रभावी मार्ग है–जहाँ साधक स्वयं को, अपने अस्तित्व

# साहूकार से सिस्टम तकः 11 साल में बदलता वित्तीय भारत

जब किसी देश की अर्थव्यवस्था की असली नब्ज टटोलनी हो, तो उसे सेंसेक्स की ऊंचाइयों में नहीं, बल्कि उन तंग गलियों में तलाशना पड़ता है जहां छोटे-छोटे कारोबार उम्मीद के सहारे सांस लेते हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11 वर्ष दरअसल उसी उम्मीद की गूंज हैं–एक ऐसा प्रयास, जिसने 'फंडिंग द अनफंडेड' के संकल्प को हकीकत में बदलते हुए उन हाथों तक पूंजी पहुंचाने की कोशिश की, जो अब तक केवल श्रम और जज्बे के भरोसे आगे बढ़ रहे थे। 8 अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस पहल ने सूक्ष्म उद्यमिता को न केवल पहचान दी, बल्कि उसे एक नई दिशा भी दी। फिर भी, ग्यारह साल बाद यह सवाल और अधिक तीखा हो उठा है–क्या यह बदलाव सचमुच जमीनी स्तर पर स्थायी रूप ले पाया है, या फिर आंकड़ों की चमक ने हकीकत के धुंधलेपन को ढक दिया है?

ग्यारह वर्षों की यह यात्रा केवल समय का विस्तार नहीं, बल्कि पैमाने और प्रभाव का भी सशक्त प्रमाण है। मार्च 2026 तक 57 करोड़ से अधिक ऋण खाते और 40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का वितरण–ये आंकड़े अपने आप में एक आर्थिक परिवर्तन की कहानी बयां करते हैं। विशेष रूप से वित्त वर्ष 2025-26 में 5.65 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वितरण यह दर्शाता है कि योजना अब केवल शुरुआत नहीं, बल्कि निरंतर विस्तार के चरण में है। बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराना उस वर्ग के लिए ऐतिहासिक कदम साबित हुआ, जिसे कभी बैंकिंग व्यवस्था के दरवाजे पर भी जगह नहीं मिलती थी। इस पहल ने वित्तीय समावेशन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए न केवल छोटे उद्यमियों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ा, बल्कि उन्हें विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदार भी बनाया।

इस योजना का सबसे मजबूत पक्ष इसका सामाजिक समावेशन है। लगभग 67 प्रतिशत (दो-तिहाई) ऋण खातों/लाभार्थियों का महिलाओं के नाम होना आर्थिक स्वतंत्रता में उनके बढ़ते योगदान और सशक्त भूमिका को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी यह बताती है कि योजना वंचित और हाशिए पर खड़े वर्गों तक प्रभावी रूप से पहुंची है। 12 करोड़ से अधिक नए उद्यमियों का पहली बार बैंकिंग प्रणाली से जुड़ना इसके व्यापक प्रभाव और वित्तीय समावेशन की गहराई को स्पष्ट करता है। लगभग 2 प्रतिशत के आसपास की कम एनपीए दर यह संकेत देती है कि छोटे उद्यमी भी ऋण का जिम्मेदारी से उपयोग कर रहे हैं और इसे सफलतापूर्वक चुकाने में सक्षम हैं।

महिलाओं के सशक्तिकरण में मुद्रा योजना का प्रभाव बेहद स्पष्ट और दूरगामी रहा है। पिछले कुछ वर्षों में 67 प्रतिशत से अधिक ऋण महिलाओं को मिलना इस बात का मजबूत संकेत है कि वे अब केवल घरेलू भूमिकाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्थानीय और सूक्ष्म अर्थव्यवस्था की सक्रिय धुरी बन चुकी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ने से साहूकारों पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आई है। उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऋण वितरण ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। इसके परिणामस्वरूप छोटे-छोटे व्यवसायों का विस्तार हुआ है और स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार सृजन के नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं।

जमीनी स्तर की कहानियां इस योजना की वास्तविक ताकत को सामने लाती हैं। बिहार की पूनम कुमारी (मशरूम उत्पादन) और असम की बिनीता (हस्तशिल्प/चाय उद्योग/स्थानीय उत्पाद) जैसी उद्यमियों की सफलता यह स्पष्ट करती है कि सीमित संसाधनों वाले छोटे सपनों को जब समय पर पूंजी मिलती है, तो वे बड़े और स्थायी बदलाव में बदल सकते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट भी इस तथ्य को स्वीकार करती है कि मुद्रा योजना ने सूक्ष्म उद्यमों को औपचारिक ऋण व्यवस्था से जोड़कर वित्तीय समावेशन को मजबूत किया है। इन उदाहरणों से यह साफ होता है कि यह योजना केवल ऋण देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने लोगों को आत्मविश्वास, अवसर और आगे बढ़ने की नई दिशा भी प्रदान की है।

इस सफलता के बीच कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं। शिशु श्रेणी के छोटे ऋणों में स्थिरता और उन्नयन की दर अपेक्षाकृत कम रही है, जो उनकी दीर्घकालिक मजबूती पर सवाल उठाती है। कुछ रिपोर्टों में इन ऋणों की एनपीए दर लगभग 9 प्रतिशत तक बताई गई है, जो जोखिम का संकेत देती है। कई उद्यमियों को ऋण तो मिल जाता है, लेकिन उसके बाद मार्गदर्शन और कौशल प्रशिक्षण की कमी उन्हें आगे बढ़ने से रोक देती है। बैंकों पर लक्ष्य पूरा करने का दबाव भी कई बार गुणवत्ता की जगह संख्या को प्राथमिकता देता है, जिससे ऋण के बाद पर्याप्त निगरानी और सहयोग नहीं हो पाता और कई व्यवसाय टिक नहीं पाते। इन चुनौतियों को देखते हुए सरकार ने सुधार की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। 'तरुण प्लस' जैसी नई श्रेणियों के जरिए बड़े ऋण की सुविधा बढ़ाई गई है, जबकि डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार से प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बनी है। साथ ही स्किल डेवलपमेंट पर विशेष जोर देकर उद्यमियों की क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में दिए गए वक्तव्यों में बेहतर मॉनिटरिंग, ई-केवाईसी और मजबूत क्रेडिट मूल्यांकन प्रणाली पर लगातार बल दिया गया है। इन सुधारों का प्रभाव वित्त वर्ष 2025-26 के रिकॉर्ड वितरण में भी स्पष्ट दिखाई देता है, जो योजना की बढ़ती विश्वसनीयता और मजबूती को दर्शाता है।

जब सूक्ष्म स्तर पर बदलती अर्थव्यवस्था को समझा जाता है, तो प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की 11 वर्ष की यात्रा एक सरकारी पहल से आगे बढ़कर सामाजिक-आर्थिक बदलाव की प्रक्रिया के रूप में दिखती है। यह योजना करोड़ों लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के विचार को आगे बढ़ाने का माध्यम बनी है। फिर भी, इसकी असली सफलता तभी मानी जाएगी जब हर ऋण एक टिकाऊ व्यवसाय बने और हर उद्यमी आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत करे। इसके लिए 'क्रेडिट प्लस' मॉडल जरूरी है, जिसमें ऋण के साथ कौशल, मार्गदर्शन और बाजार पहुंच शामिल हो। तभी यह योजना आंकड़ों से आगे बढ़कर छोटे उद्यमियों की वास्तविक और स्थायी आर्थिक क्रांति बन सकेगी।

**-प्रो. आरके जैन**

## कूटनीति पर भारी पड़ी भरोसे की कमी

इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान की वार्ता पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं, लेकिन इसके परिणाम सकारात्मक नहीं रहे। इस वार्ता का विफल होना राजनयिक कुप्रबंधन कम, बल्कि उस बुनियादी जड़ता को ही अधिक रेखांकित करता है, जो आज भी दोनों देशों के संबंधों को परिभाषित करती है। दोनों पक्षों के वरिष्ठ नेतृत्व की मौजूदगी और उच्चस्तरीय संपर्क के बीच यह वार्ता अतिवादी मांगों, गहरे अविश्वास और असंगत रणनीतिक दृष्टिकोण के बोझ तले दबी रही।

इस्लामाबाद वार्ता का परिणाम प्रक्रिया की विफलता नहीं, बल्कि गतिरोध से भरी उन परिस्थितियों का ही एक पूर्वानुमानित परिणाम रही, जिन परिस्थितियों को बदलने के लिए दोनों ही पक्षों में न तो कोई सक्षम दिख रहा था और न ही इसके लिए तैयार। इस गतिरोध का एक अहम पहलू है परमाणु हथियारों को लेकर ईरान का मोह। स्वाभाविक है कि ईरान यह मोह नहीं छोड़ना चाहता। वहीं अमेरिका का स्पष्ट रुख है कि ईरान को न केवल परमाणु मोर्चे पर हुई प्रगति को पीछे छोड़ना होगा, बल्कि उस तकनीकी क्षमता से भी वंचित होना पड़ेगा जो भविष्य में उसे परमाणु शक्ति से संपन्न करने में सहायक बने। परमाणु की यह पहेली ईरान के लिए उसकी संप्रभुता का सवाल बन गई है।

वार्ता के दायरे और महत्वाकांक्षाओं को लेकर उपजे मतभेदों ने भी इसे और जटिल बना दिया। अमेरिका जहां परमाणु प्रतिबंध और होर्मुज जलमार्ग में स्वतंत्र एवं मुक्त आवाजाही जैसे सीमित उद्देश्यों के साथ वार्ता की मेज पर आया, वहीं ईरान का एजेंडा कहीं अधिक व्यापक था। ईरान केवल तनाव घटाने की मांग के साथ ही सामने नहीं आया, बल्कि उसने पश्चिम के साथ अपने संबंधों के नए सिरे से संयोजन की मांग रखी। इस पुनर्संयोजन में प्रतिबंधों से राहत, जब्त की हुई परिसंपत्तियों तक निर्बाध पहुंच, हालिया सैन्य हमलों से हुए नुकसान की भरपाई का मुआवजा और एक व्यापक क्षेत्रीय युद्धविराम शामिल था, जिसमें हिजबुल्ला जैसे सहयोगियों के खिलाफ इजरायली सैन्य कार्रवाइयों पर रोक भी शामिल थी। वार्ता के इस ढांचे में मौजूद विसंगतियों ने पहले से ही सुनिश्चित कर दिया कि बात नहीं बनने वाली। जहां वाशिंगटन इसे एक तात्कालिक संकट के रूप में देखते हुए फौरी राहत पर जोर दे रहा था तो तेहरान को यह अपने समीकरणों को नए सिरे से तय करने का अवसर महसूस हुआ। यानी अमेरिका बस आग को बुझाना चाहता था और ईरान की मंशा अपने क्षतिग्रस्त भवन के नए सिरे से निर्माण की थी। दोनों पक्षों के बीच होर्मुज जलमार्ग एक अहम बिंदु बन गया है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए इस जलमार्ग के माध्यम से ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करना एक रणनीतिक आवश्यकता है। इसीलिए वाशिंगटन का आग्रह रहा कि परस्पर विश्वास बहाली के लिए इसे तुरंत खोला जाए। जबकि तेहरान का जोर व्यापक समझौते को अमल में लाने पर था।

**-हर्ष वी. पंत**

# सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। ÷अभी न जाओ छोड़ कर÷ जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गई, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। ÷पिया तू अब तो आजा÷, ÷दम मारो दम÷, ÷चुरा लिया है तुमने÷, ÷दिल चीज क्या है÷ जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

**-ललित गर्ग**

# सामाजिक न्याय एवं समानता के पुरोधा पुरुष थे डॉ. अंबेडकर

आधुनिक भारत के निर्माण की जब भी चर्चा होती है, तो डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट स्तंभ के रूप में सामने आता है, जिसने न केवल संविधान की रचना की, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा को समता, न्याय और मानवीय गरिमा के मूल्यों से अनुप्राणित किया। डॉ. अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक, लेखक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्, बहु-भाषाविद्, धर्म-दर्शन के विद्वान और एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारत में अस्पृश्यता और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। निश्चित ही वे केवल एक विधिवेत्ता या राजनेता ही नहीं थे, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी चिंतक थे, जिन्होंने भारतीय समाज की गहराई में पैठे जातिगत अन्याय, सामाजिक विषमता और आर्थिक शोषण को समझा और उसके समाधान के लिए ठोस वैचारिक एवं संस्थागत आधार प्रदान किया। आज नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत की जो अवधारणा हमारे सामने है, उसकी जड़ें अंबेडकर की सोच, नीतियों और संविधान में निहित हैं।

डॉ. अंबेडकर का जीवन स्वयं में एक संघर्षगाथा है। एक अस्पृश्य माने जाने वाले परिवार में जन्म लेकर उन्होंने जो अपमान, भेदभाव और पीड़ा झेली, वही उनके भीतर परिवर्तन का संकल्प बनकर उभरी। उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि प्रतिभा किसी जाति या वर्ग की मोहताज नहीं होती। उनका यह विश्वास कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का सूत्र था। अंबेडकर के चिंतन का मूल आधार सामाजिक न्याय था। उनका स्पष्ट मत था कि जब तक समाज में समता स्थापित नहीं होती, तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। वे मानते थे कि केवल आर्थिक विकास से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सामाजिक संरचना में आमूल-चूल परिवर्तन आवश्यक है। इसी दृष्टि से उन्होंने जाति व्यवस्था को भारतीय समाज का सबसे बड़ा शत्रु माना और उसके उन्मूलन के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनकी प्रसिद्ध कृति जाति का विनाश में उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति केवल सामाजिक विभाजन नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ एक सुनियोजित अन्याय है।

भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उनकी दूरदर्शिता और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता का उत्कृष्ट उदाहरण है। संविधान में उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह दस्तावेज न केवल शासन का आधार बना, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी बना। मौलिक अधिकारों, विधि के समक्ष समानता, अस्पृश्यता उन्मूलन (अनुच्छेद 17), आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान उनके उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं, जिसमें हर नागरिक को समान अवसर और गरिमा के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हो। डॉ. अंबेडकर का संवैधानिक नैतिकता का सिद्धांत आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। उनका मानना था कि केवल संविधान बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके मूल्यों को समाज और शासन दोनों में आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बनी रहीं, तो राजनीतिक लोकतंत्र भी खतरे में पड़ सकता है। आज जब भारत विविधताओं से भरे समाज के रूप में आगे बढ़ रहा है, तब यह सिद्धांत हमें संतुलन और समन्वय की दिशा दिखाता है।

अंबेडकर केवल सामाजिक सुधारक ही नहीं, बल्कि एक प्रखर आर्थिक चिंतक भी थे। उन्होंने औद्योगीकरण, श्रमिक अधिकारों, जल संसाधन प्रबंधन और वित्तीय विकेंद्रीकरण जैसे विषयों पर गहन विचार प्रस्तुत किए। भारतीय रिजर्व बैंक की अवधारणा से लेकर श्रम कानूनों के निर्माण तक उनके विचारों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वे मानते थे कि आर्थिक सशक्तिकरण के बिना सामाजिक न्याय अधूरा है, इसलिए उन्होंने दलितों और वंचितों को केवल सामाजिक सम्मान ही नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर भी प्रेरित किया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी अंबेडकर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति के अधिकार, विवाह और तलाक में समानता दिलाने का प्रयास किया। यद्यपि तत्कालीन परिस्थितियों में इस विधेयक को पूर्ण रूप से पारित नहीं किया जा सका, लेकिन उनके प्रयासों ने भारतीय समाज में लैंगिक समानता की नींव रखी। आज भारतीय महिलाएं जो अधिकार और स्वतंत्रता का अनुभव कर रही हैं, उसमें अंबेडकर की दूरदर्शिता का महत्वपूर्ण योगदान है।

धार्मिक दृष्टि से भी अंबेडकर का चिंतन अत्यंत गहन और मानवीय था। उन्होंने धर्म को आस्था का नहीं, बल्कि नैतिकता और सामाजिक व्यवस्था का विषय माना। 1956 में बौद्ध धर्म स्वीकार कर उन्होंने यह संदेश दिया कि धर्म वह होना चाहिए जो मानव को समानता, करुणा और विवेक की ओर ले जाए। उनका यह कदम केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं था, बल्कि सामाजिक क्रांति का प्रतीक था। समकालीन भारत में अंबेडकर की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। जब हम डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की बात करते हैं, तो यह आवश्यक है कि इन पहलों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। अंबेडकर का समावेशी विकास का दृष्टिकोण हमें यही सिखाता है कि विकास तभी सार्थक है, जब उसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी हो। आज भी यदि कहीं सामाजिक भेदभाव, आर्थिक असमानता या अवसरों की विषमता दिखाई देती है, तो यह हमें अंबेडकर के अधूरे सपनों की याद दिलाती है।

निश्चित ही डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि एक जीवंत विचारधारा हैं। उनका जीवन और कार्य हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन केवल सत्ता से नहीं, बल्कि विचार, शिक्षा और संघर्ष से आता है। आधुनिक भारत की जो मजबूत नींव आज हमें दिखाई देती है, वह अंबेडकर के दूरदर्शी नेतृत्व और संवेदनशील चिंतन का परिणाम है। यदि भारत को वास्तव में विकसित, समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाना है, तो अंबेडकर के आदर्शों को केवल स्मरण करना ही नहीं, बल्कि उन्हें जीवन और नीतियों में उतारना होगा। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारत के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी। भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दलितों ने आरक्षण के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासिल कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन किया है, किंतु सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शिक्षा) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है।

भारत के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण सर्वांगीण था-इसने हमारे राष्ट्रीय जीवन के हर पहलू को छुआ। कानून में, उन्होंने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक नागरिक को संवैधानिक उपचारों का अधिकार मिले; अर्थव्यवस्था में, उन्होंने राज्य-नेतृत्व वाली कल्याणकारी व्यवस्था, भूमि सुधार और अवसरों की समान पहुँच की परिकल्पना की; शिक्षा में, उन्होंने वैज्ञानिक सोच और तर्कपूर्ण चिंतन को बढ़ावा दिया, और प्रसिद्ध रूप से घोषणा की कि मन का विकास ही मानव अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।

**-धनंजय राजौरा**

# भाजपा कार्यालय देवास पर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर प्रेस वार्ता आयोजित

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय देवास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026' विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व भाजपा प्रदेश मंत्री अंजु माखीजा रहीं। साथ ही देवास विधायक गायत्री राजे पवार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

मुख्य वक्ता अंजु माखीजा ने अपने संबोधन में कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की मातृशक्ति को सशक्त बनाने की ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय लेने की मुख्यधारा में लाने का सशक्त माध्यम बनेगा। वर्षों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार हुआ है, जिससे महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह कदम भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगा।

विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को मतदाता से आगे बढ़ाकर निर्णायक की भूमिका में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में महिलाएं देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाएंगी, जिससे समाज के हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति की, लेकिन उसे लागू करने का साहस नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ठोस निर्णय लेते हुए महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का काम किया है। यह अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राखी झालानी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# विद्युत वितरण कंपनी को हादसे का इंतजार, सड़क को छूने को आतुर हाईटेंशन के तार

## इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं सैकड़ों वाहन, कभी भी हो सकता है गंभीर हादसा

**शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मोहना बड़ोदिया विद्युत वितरण कंपनी के मोहना सब स्टेशन से निकलने वाले 11 केवी हाई टेंशन तार ग्राम पंचायत मोहना अंतर्गत बनबोर मार्ग पर सड़क से काफी नीचे झूल रहे हैं। ये तार सड़क से मात्र 10 से 12 फीट ऊपर हैं, जिससे यहां से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों के लिए हर समय हादसे का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों ने बताया कि तारों की यह कम ऊंचाई ट्रैक्टर-ट्राली और ट्रक जैसे ऊंचे वाहनों के लिए खतरनाक है जो कभी भी इनकी चपेट में आ सकते हैं। ग्रामीण कैलाश गुर्जर ने बताया कि गांव में शादी-विवाह जैसे आयोजनों के दौरान बड़े वाहनों को 3 किलोमीटर दूर मोहना में छोड़कर लोगों को पैदल गांव आना पड़ता है। रात के समय कम दृश्यता के कारण यह खतरा और बढ़ जाता है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा या आगजनी की घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में सड़क निर्माण के बाद मार्ग की ऊंचाई बढ़ गई है, लेकिन बिजली विभाग ने इसके अनुरूप तारों की ऊंचाई में सुधार नहीं किया है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। शायद अधिकारी किसी हादसे का इंतजार कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर पहले भी जिला कलेक्टर ऋजू बाफना को मोहना शिविर में आवेदन देकर अवगत कराया था। लेकिन अब तक न तो तारों की ऊंचाई ठीक की गई है और न ही खंभों की स्थिति सुधारी गई है। इस मार्ग पर 6 से 7 स्थानों पर बिजली के तार सड़क को पार करते हैं। लगातार बढ़ती आवाजाही के बीच लोग जोखिम के साए में यात्रा करने को मजबूर हैं।

# नारी शक्ति को मिला सम्मानः उत्कृष्ट कार्य पर पुष्पलता सोनगरा हुईं सम्मानित

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा रविवार को देवास प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने शहर के मल्हार स्मृति मंदिर सभागार में आयोजित नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा अंतर्गत हितग्राही सम्मेलन में भाग लिया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में हमारे बढ़ते कदम वुमन एंड चाइल्ड वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष एवं भाजपा जिला सह कार्यालय मंत्री पुष्पलता सोनगरा को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, देवास विधायक गायत्रीराजे पवार सहित अन्य अतिथियों ने उन्हें शाल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंच से महिला सशक्तिकरण और समाज सेवा में महिलाओं की भूमिका की सराहना करते हुए उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया गया। कार्यक्रम में मनोज चौधरी (हाटपीपल्या विधायक), जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया, महापौर गीता अग्रवाल, जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, राजेश यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का माहौल बना रहा।

## देवास जिले में सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाईजर की भर्ती के लिए विकासखण्ड स्तर पर रोजगार शिविरों का आयोजन

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास ने बताया कि जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाईजर की भर्ती के लिए विकासखण्ड स्तर पर जनपद पंचायत परिसरों में रोजगार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार शिविरों में एसएससीआई लिमिटेड नीमच द्वारा भाग लिया जायेगा। जिसके तहत जनपद पंचायत बागली में 15 अप्रैल 2026, जनपद पंचायत सोनकच्छ में 16 अप्रैल, जनपद पंचायत कन्नौद में 17 अप्रैल, जनपद पंचायत टोंकखुर्द में 20 अप्रैल, जनपद पंचायत खातेगांव में 21 अप्रैल जनपद पंचायत देवास में 22 अप्रैल को आयोजन होगा। पदो की भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यता 08वीं से अधिक एवं शारीरिक मापदण्ड, आयु 18 से 38 वर्ष ऊचाई 163 सेमी से उपर वजन 48 किलोग्राम से अधिक होना आवश्यक है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला पंचायत देवास में सम्पर्क कर सकते है।

## डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर आज होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में 14 अप्रैल मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित गांधी हाल में प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह गरिमामय आयोजन प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री नारायनसिंह कुशवाह की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर वक्ताओं द्वारा उनके सामाजिक समरसता के संदेश और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही उनके जीवन चित्र पर लोक गायन के माध्यम से प्रस्तुति दी जाएगी। इस कार्यक्रम में उपस्थिति के लिए समस्त जनसामान्य, गणमान्य नागरिकों से अपील की जाती हैं कि वे इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आयोजन की गरिमा बढ़ाएं।

## विद्युत पोल से निकला पानी, अचंभित हुए लोग

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहरी हाईवे पर स्थित वरदान हास्पिटल के पास सोमवार को बिजली के खंभे के नीचे से अचानक पानी निकलने लगा। घटना से आसपास के दुकानदार और राहगीर हैरान रह गए। यह खंभा हाल में सड़क निर्माण कार्य के दौरान स्थानांतरित किया गया था। स्थानीय निवासियों ने तत्काल नगर पालिका और बिजली कंपनी को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने जांच की, जिसमें सामने आया कि पोल लगाते समय जमीन के नीचे से गुजर रही पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसी वजह से तेज दबाव के साथ पानी बाहर आ रहा था। स्थिति को देखते हुए, खंभे को हटाकर पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। दुकानदारों का कहना था कि समय रहते समस्या का पता नहीं चलता तो पानी के लगातार दबाव से खंभा गिर सकता था, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि अधिकारियों ने ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने का दावा किया है।

## अज्ञात वाहन ने बाईक को मारी टक्कर, युवक की मौत

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नेशनल हाईवे 52 पर सोमवार दोपहर एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। फनिया जोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया।

इस हादसे की सूचना मिलने पर डायल-112 टीम मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तराना ले जाया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। तराना थाना प्रभारी रामनारायण सिंह भदोरिया ने बताया कि मृतक की पहचान 30 वर्षीय जसपाल सिंह राजपूत के रूप में हुई है। वह अकोदिया थाना क्षेत्र के निशाना गांव का निवासी था। जसपाल अपनी बाइक से बहन के घर महिदपुर जा रहा था।

# कांग्रेसियों पर बढ़ाई शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** लालघाटी पुलिस ने कलेक्टर कार्यालय में उत्पात मचाया था और पुलिस ने 12 नामजद सहित 150 कांग्रेसियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। अब पुलिस ने कांग्रेसियों के खिलाफ एफआईआर में शासकीय संपत्ति को नुकसान को नुकसान पहुंचाने संबंधी धाराएं बढ़ाई हैं।

मामला 9 अप्रैल का है जब कांग्रेसियों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में देरी और किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर कलेक्टर कार्यालय में प्रवेश किया और कलेक्टर कक्ष के बाहर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ की। लालघाटी थाने में थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया था। दर्ज एफआईआर में शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाली धारा 3/4 को जोड़ा गया है, जिसमें 5 साल तक की सजा का प्रावधान है। सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद कांग्रेसी दो गेट तोड़कर कलेक्टर कार्यालय के अंदर घुस गए। इसके अतिरिक्त एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय और एसडीएम मनीषा वास्कले सहित प्रशासनिक अमला भी मौजूद था। इतनी सुरक्षा के बावजूद आंदोलनकारी कलेक्टर कक्ष तक पहुंच गए और कार्यालय में तोड़फोड़ की। इस पर लालघाटी पुलिस ने भीड़ का नेतृत्व करने वाले कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेश्वर प्रताप सिंह, पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, मनीष परमार, राधेश्याम मालवीय, सीताराम पवैया, जयंत सिकरवार, राजकुमार कराड़ा, इरशाद खान, इरशाद नागौरी, शकील वारसी, आशुतोष शर्मा और कमल चौधरी सहित 150 से अधिक कांग्रेसियों के खिलाफ धारा 223(ए), 132, 191(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया था। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि ज्ञापन देने के दौरान भीड़ उग्र हो गई। सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए कलेक्टर कार्यालय में प्रवेश कर गई। दरवाजे, गेट को धक्का देकर क्षति पहुंचाई। अपराध क्रमांक 74/26 में 1984 की धारा 3/4 शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाना बढ़ाई गई है। इसमें 5 साल की सजा का प्रावधान है, इसलिए घटना में शामिल सभी कांग्रेसियों को नोटिस तामील कराए जाएंगे।

## सामाजिक न्याय विभाग की निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना बनी दिव्यांगों का संबल- लाभार्थी को मिली 2 लाख की सहायता

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** देवास सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा संचालित निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना प्रदेश के दिव्यांग जोड़ों के जीवन में खुशहाली का नया सवेरा ला रही है। इस योजना के अंतर्गत दो लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त दी जा रही है, जिससे उनके वैवाहिक जीवन को एक मजबूत आर्थिक आधार मिला है। इन्हीं लाभार्थियों में कालूखेडी देवास के विश्वजीत नागर है, जिन्हें निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ मिला है। विश्वजीत अस्तिबाधित दिव्यांग हैं योजनान्तर्गत उन्हें 02 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि मिली है। उन्होंने बताया कि इस योजना से प्राप्त राशि ने उनके जीवन में उल्लेखनीय सकारात्मक बदलाव लाए हैं। उन्होंने कहा, ÷यह योजना हमारे जैसे व्यक्तियों के लिए एक वरदान साबित हो रही है। आत्मनिर्भरता के साथ गृहस्थी की शुरुआत करने में इस राशि ने हमें बहुत संबल प्रदान किया है। विश्वजीत योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद दे रहे है। उल्लेखनीय है कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें सम्मानजनक वैवाहिक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली यह राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है, ताकि वे अपनी नई पारी की शुरुआत बिना किसी आर्थिक मानसिक तनाव के कर सकें। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में दिव्यांगता के प्रति दृष्टिकोण को बदलने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

# एसी और कूलर के बिना दिन गुजारना हुआ मुश्किल

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होते ही गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है और तापमान भी आसमान छूने को आतुर नजर आ रहा है। सोमवार को भी नगर का अधिकतम तापमान 39 के पार पहुंच गया जिसके एक या दो दिन में ही 40 या उससे अधिक पहुंचने की संभावना है।

इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ का असर लंबा चला और मार्च माह में गर्मी का असर न के बराबर रहा। कुछ दिनो के लिए जरूर मौसम से गर्मी का एहसास हुआ, लेकिन आसपास के इलाकों में हो रही बर्फबारी और बारिश का असर नगर के वातावरण में भी देखने केा मिल रहा था। लेकिन अब पश्चिमी विक्षोभ का असर पूरी तरह समाप्त हो चुका है और तापमान में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है, जिसके चलते दिन में लोगों को पंखे राहत नहीं दे पा रहे हैं और नगरवासी एसी व कूलर के सहारे ही दिन गुजारने को मजबूर हैं।

तीन दिन में चार डिग्री बढ़ा तापमान- गुरूवार तक भी लोगों को गर्मी से राहत मिली हुई थी, लेकिन इसके बाद से मौसम गर्म होने लगा है। शुक्रवार को नगर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री था जो शुक्रवार को 39.3 तक पहुंच गया। वहीं रात का तापमान भी सोमवार को 18.4 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अब बारिश की संभावना नहीं है। अब तापमान में बढ़ोत्तरी होती रहेगी। उन्होंने बताया कि संभवतया 15 अप्रैल तक ही तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता है।

रात में मिल रही फोरी राहत- रात में अभी भी ठंडी हवाएं गर्मी के असर को कम कर रही हैं। शाम तक जरूर गर्मी के असर से लोगों के पसीने छूट रहे हैं, लेकिन देर रात चलने वाली हवाओं से गर्मी का असर कम हो रहा है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में रात का तापमान भी 20 से 22 डिग्री तक पहुंचेगा।

# नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का लाइव प्रसारण हुआ निगम बैठक हॉल में

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारत सरकार द्वारा सोमवार 13 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से विज्ञान भवन, नई दिल्ली में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया गया। निगम बैठक हॉल में प्रधानमंत्री के लाइव प्रसारण को महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के नेतृत्व में सभापति रवि जैन, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, नेता सत्तापक्ष मनीष सेन, निगम लोक निर्माण समिति अध्यक्ष गणेश पटेल, ममता बाबू यादव, श्रीमती पूजा रवि जैन, पार्षद प्रतिनिधि बाबू यादव एवं निगम महिला अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ देखा व सुना गया।

प्रधानमंत्री का संबोधन- प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आयोजित कार्यक्रम में नारी शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र के इस महायज्ञ में नारी शक्ति वंदन का बडा योगदान है। देश के वित्त मंत्री से लेकर सर्वोच्च पद महामहिम राष्ट्रपति तक ऐसे बड़े पद हमारी मातृ शक्ति कार्य संभाल रही है। इन्होंने देश की गरिमा और गौरव को बढाया है तथा सम्माननीय बहनें देश में वैशाखी के पर्व की उमंग है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत 21 वीं सदी के बड़े निर्णय में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने जा रहा है जो नारी शक्ति को समर्पित है। जो एक नया इतिहास है जो नारी शक्ति के लिए अतीत की आकांक्षा तथा भविष्य में संकल्प को साकार करेगा। देश का सारा क्रेडिट देश की हमारी माता बहनों को है तथा इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए भी सभी दलों को क्रेडिट जाता है। हम देश की मातृ शक्ति तथा देश हित में देश की भलाई के लिए कार्य करने के लिए संकल्पित हैं।

उपस्थिति- इस अवसर पर निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, प्र. कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती, सामाजिक न्याय विभाग महिमा जैन एवं बडी संख्या में निगम की मातृ शक्ति उपस्थित रहीं।

# अनाज दुनिया का पेट भरकर भी कभी अपने आप पर नाज नहीं करता है, वैसे ही ज्ञानी को कभी घमंड नहीं करना चाहिए -कमलकिशोर नागर

## पिंजराया में कथा के तीसरे दिन उमड़ी भीड़, महिला श्रोताओं की सख्या अधिक

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** व्यक्ति को मधुर वाणी मुर्ख से बहस करने के लिए नहीं भजन सत्संग करने के लिए दी है।बुद्धिमान को कभी मुर्ख से संवाद नहीं करना चाहिए। कथा यह कहती हैं कि समझदार कभी मुर्ख से मूंह नहीं लगता है।प्रेम स्वयं सन्त है, प्रेम परमात्मा का ही रूप है। वेदव्यास दृष्टि डाल दें तो उत्पत्ति हो जाए।पसीने के बूंद में कितनी ताकत होगी जिससे संतान हो जाए।कलयुग में प्रेम दिवस मनाते हैं। वर्तमान का यह प्रेम भामिनी नहीं कामिनी है।प्रेम चमड़ी व दमड़ी देखकर मत करो खून देखकर करो।संकल्प से सब हो जाता है गजानन, कार्तिक सब संकल्प है।जो नारी मासीक धर्म नियम का पालन करती है आज्ञाकारी है उसका नाम अन्नपूर्णा है।अन्नपूर्णा भंडार में न बैठै तो किसी का पूरा नहीं पड़ता है। हमेशा अन्नपूर्णा का स्मरण करके कार्य करना चाहिए।जिस पर घमंड न हो वो अनाज होता है अनाज पेट भरकर भी कभी नाज नहीं करता है, कभी घमंड नहीं करता है।प्रेम से बोलो व रहो, कलयुग के प्रेम दिवस को खत्म करो ये प्रेमिका हो सकती है सेविका नही।

उक्त ओजस्वी विचार समीप गांव पिंजराया मे आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन मालव माटी के संत विख्यात कथावाचक पं. कमलकिशोर नागर ने व्यक्त किए। कथा के प्रारम्भ मे कथावाचक नागर व भागवत पोथी की पूजा अर्चना कथा आयोजक रतन सिंह गोहिल, सुपुत्र मनोहर सिंह गोहिल, इन्दर सिंह गोहिल ने सपत्निक द्वारा की। नागर जी ने कहा जितने भी पढ़े लिखें है जिन्होंने प्रेमिका रखी है वो सब दुखी है। जहां भी अनपढ़ पत्नी हैं वो सेवा करती है वो सेविका है। तुम प्रेम के चक्कर मे अधोगति में पड़ना हो तो प्रेमिका के चक्कर में पढ़ना। आपका जीवन भामीनी के संघ ही सफल होगा कामिनी के संग कभी सफल नहीं हो सकते हो। सुन्दर देखकर कभी मत लाना वो साथ नही देगी, लाल लिपिस्टिक वाली आपके लाल की जीवन लीला हर लेगी।

प्रेम का स्वरुप ही संत होता है- प्रेम अस्पर्शी है और जगह स्पर्श होता है प्रेम में इतनी ताकत है की वह चाहता है कि प्रेम से कोई प्रकट हो, वचन में ताकत होती है परमात्मा निष्कपट निष्कलंक है।मोर मोरनी का स्पर्श नहीं करता है।प्रेम का स्वरुप सन्त होता सन्त का स्वरूप ही प्रेम होता है। मोर सुंदर होता है जबकि मोरनी कुरूप होती है लेकिन मोरनी पतिव्रता होती है इसलिए मोर उसको निभाता है।

कथा पुण्य लाभ की सरोवर है- बाल संत कथा वाचक गोविंद हाटकेश नागर ने अपने 1 घंटे की कथा में कहा कि ये जागने का समय है कथा पुण्य लाभ की सरोवर है इसमें डुबकी लगा लो बाद मे यह मौका नहीं मिलेगा। मनुष्य जीवन अनमोल धरोहर है इसे सत्संग अध्यात्म से संवारों व सनातन शास्त्र को सहेजो यह अवसर फिर मिलने वाला नहीं है।

भोजन और भजन मे मात्रा का फर्क है भोजन हद मे करो भोजन मे मात्रा है भजन मे कोई मात्रा नहीं है ये बिना मात्रा का अभ्यास जीवन भर करो।कृष्ण ने भी अर्जुन को अभ्यास की सिख दी थी, कबीरदास, मीरा ने भी अभ्यास किया है। रस्सी ने पाषाण पर निशान बना दिया तो संस्कृत के अभ्यास से क्यों नहीं सिख सकता है। अभ्यास बिना जीवन सुना है

दुसरो के पांव पकड़कर भव सागर पार नहीं जा सकते इसके लिए स्वयं को कर्म करना पड़ेगा। दुसरो से नाम मत जपवाओ किसी काम का नहीं है। जगत की उल्टी रित है भगवान की तरफ मुड़ोगे तो जग रूठेंगा और जग की और मुड़ेगा तो भगवान रूठेंगा। सों काम छोड़कर स्नान, हजार काम छोड़कर भोजन , लाख काम छोड़कर अपने काम और करोड़ काम छोड़कर भगवान का नाम लेना चाहिए।जानकारी गोवर्धन सिंह डोडिया खिलेड़ी एवं महेन्द्र सिंह चावड़ा ने दी।

## देर रात महिला ने तोड़े बोलेनो के कांच

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला मुख्यालय स्थित ज्योतिनगर के राधे-राधे चौराहे पर रविवार-सोमवार की रात एक महिला ने खड़ी कार में तोड़फोड़ की। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें महिला पत्थर से कार के शीशे तोड़ती दिख रही है। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

जानकारी के अनुसार फुटेज के अनुसार महिला ने पहले कार के सामने वाले हिस्से को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। सफल न होने पर उसने साइड के शीशे को तोड़ने का प्रयास किया। इसके बाद महिला ने कार के पिछले शीशे पर पत्थर मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। कार मालिक ज्योति नगर निवासी नीरज कुमार मालवीय ने लालघाटी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल की रात वे शादी से लौटकर कार पार्क कर रहे थे तभी एक नशे में धुत व्यक्ति ने उनकी कार को नुकसान पहुंचाया और गाली-गलौज की थी। फरियादी के अनुसार उसी व्यक्ति की पत्नी ने रात में आकर उनकी कार में तोड़फोड़ की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जांच कर रही है।

# विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन का शपथ विधि एवं काव्य समारोह बड़े उमंग और उल्लास से सानंद संपन्न

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** राष्ट्रीय स्तर की विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन इंदौर इकाई का शानदार साहित्यिक अनुष्ठान हिंदी साहित्य समिति के पुस्तकालय कक्ष में बड़े उल्लास और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमचंद सृजन पीठ उज्जैन के निदेशक मुकेश जोशी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुबोध मिश्र नासिक( महाराष्ट्र ) ने की।

विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार हरिराम बाजपेई, मातृभाषा उन्नयन संस्थान के अध्यक्ष डॉ अर्पण जैन अविचल, विचार प्रवाह के अध्यक्ष मुकेश तिवारी मंचाचीन थे। मां शारदा की वंदना डॉक्टर शशि निगम ने प्रस्तुत की। आगत अतिथियों का स्वागत विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन इंदौर इकाई के संरक्षक डॉक्टर अखिलेश राव और इंदौर इकाई के अध्यक्ष साहित्यकार दिनेश तिवारी उपवन ने किया। स्वागत भाषण विद्योत्तमा के संरक्षक डॉक्टर अखिलेश राव ने दिया। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का वृक्ष दूत और प्रकृति प्रेमी राजेश मकवाने ने सभी अतिथियों को फलदार पौधे बड़ी आत्मीयता से वितरित किए।

कार्यक्रम को डॉक्टर सुधाराज चौहान, डॉक्टर आरती दुबे आदि ने भी संबोधित किया। विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन इंदौर के सभी पदाधिकारियों को मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुबोध मिश्र ने शपथ दिलाई तथा सभी को प्रमाण पत्र वितरित किए। कवि गोष्ठी में शीला चंदन, विनीता चौहान, कल्याणी गुप्ता, डॉ पूनम विशाल, संध्या बाईवार, तेजकरण दुबे, डॉ पंकज जैन, अरुण अपेक्षित, उर्मिला रायकवार, सुब्रतो बोस आदि ने प्रभावी तरीके से काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन कवयित्री स्वाति सिंह सोलंकी साहिबा ने किया। विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन के अध्यक्ष साहित्यकार दिनेश तिवारी उपवन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि विद्योतमा साहित्य फाउंडेशन की इंदौर इकाई शहर के और बाहर के नवोदित और पुराने रचनाकारों को हमेशा मंच प्रदान करती रहेगी। इस पुनीत अवसर पर समाजसेवी की कमल तिवारी, सुनील चौधरी, श्याम सिंह, श्रीमती इंदु जैन, नितेंद्र मानव, सीडी भालेराव सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

## कबड्डी के कांटा कस मुकाबले

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** शायनिंग स्पोर्ट्स वेलफेयर सोसायटी बड़नगर द्वारा आयोजित सी एम राइस स्कूल नयापुरा में तीन दिवसीय तहसील स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में आज दर्शकों की मांग पर खिलाड़ियों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन पर ईनाम राशियों की खूब बरसात हुई। लीग पद्धति से चले मैचों में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के लिए टीमों ने काफी उम्दा प्रदर्शन किया। नगर के समाज सेवी हरिकिशन मेलवाणी,सत्यनारायण शर्मा,अनिल यादव,राजकुमार नाहर ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। एकता क्लब खेड़ा माधव,श्री संतोष स्पोर्ट्स बड़गांवा,राष्ट्र प्रेमी बड़नगर,सर्वोदय क्लब लोहाना,आर्यवीर भाटपचलाना,गांधी क्लब बलेड़ी की टीमों ने काफी शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की दाद पाई। आज मंच की शोभा नारी शक्ति ने बढ़ाई मुख्य अतिथि रही अनीता वर्मा (उपाध्यक्ष नगर पालिका),लता शर्मा (नगर मंत्री भाजपा),रेखा राठौड़ (पूर्व जिला मंत्री भाजपा),राजकुमारी निंबोला (पूर्व उपाध्यक्ष भाजपा) संस्था संवरक्षक सुकमाल जैन, अध्यक्ष जगदीश चौहान,पूर्व अध्यक्ष राकेश शर्मा मंचासिन रहे। अतिथियों का स्वागत सुरेश माहेश्वरी,वीरेंद्र सिंह चौहान,बाबू भाई बोहरा,राधेश्याम गहलोत,महिपाल सिंह पंवार,रघुनाथ भंडारे,आनंद पंचोली,राजेंद्र सिंह पंवार,सुनील जायसवाल ने किया। मंच संचालन एवं प्रत्येक मैच की कमेंट्री वरिष्ठ सदस्य हेमंत माथुर ने बड़े ही निराले अंदाज में की। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रमोद पंचोली ने प्रदान की।

## अकोदिया में रेलवे फाटक नंबर 72 बना मुसीबत, लोगों का आवागमन हुआ दुभर

**अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अकोदिया नगर में पश्चिम रेलवे के पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के अंतर्गत आने वाले सुंदरसी मार्ग स्थित रेलवे फाटक नंबर 72 पर इन दिनों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कई महीनों से यहां रेलवे विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है, लेकिन स्थिति अब भी जस की तस बनी हुई है।

रेलवे फाटक पर गिट्टी के साथ बड़े-बड़े ब्लॉक डाल दिए गए हैं, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों का निकलना बेहद मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि इस मार्ग से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। दिनभर यहां जाम जैसी स्थिति बनी रहती है, जिससे आमजन का समय और ईंधन दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क पूरी तरह बदहाल अवस्था में है, जो कहीं न कहीं रेलवे अधिकारियों की लापरवाही को दर्शाती है। हाल ही में यहां एक पिकअप वाहन क्षतिग्रस्त होकर बीच से दो हिस्सों में बंट गया था, जिससे हादसे की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मनोज पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि फाटक पर कार्य जारी है और आगामी दो सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

फिलहाल, लोगों को राहत का इंतजार है और उम्मीद है कि जल्द ही इस गंभीर समस्या से निजात मिलेगी।

## डॉ. कपाड़िया ने किया बच्चे का जटिल ऑपरेशन

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** नगर के वरिष्ठ एवं अनुभवी शल्य चिकित्सक डॉ. एल.ए. कपाड़िया द्वारा एक छोटे बच्चे में पाए गए मल्टीपल हाइडेटिड सिस्ट का सफलतापूर्वक ऑपरेशन स्थानीय अशोक हॉस्पिटल में किया गया।

यह केस अत्यंत जटिल और संवेदनशील था, क्योंकि बच्चों में इस प्रकार की सिस्ट बहुत नाजुक होती है और सर्जरी के दौरान इसके फटने का खतरा बना रहता है। इसके फटने से गंभीर एलर्जिक रिएक्शन या अन्य शारीरिक जटिलताएँ हो सकती थीं।

अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और सटीक तकनीक के साथ डॉ. एल.ए. कपाड़िया ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को पूरी सावधानी के साथ सफलतापूर्वक संपन्न किया। ऑपरेशन के दौरान सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया गया, जिससे बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी। इतनी बड़ी और जटिल सर्जरी को बहुत ही कम शुल्क पर सफलतापूर्वक करने के लिए डॉ. कपाड़िया बधाई के पात्र हैं।

वर्तमान में बच्चा पूर्णतः स्वस्थ है और तेजी से सुधार (रिकवरी) कर रहा है, जो इस सफल उपचार का सबसे बड़ा प्रमाण है। अशोक हॉस्पिटल परिवार बच्चे के उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना करता है तथा पूरी सर्जिकल टीम को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता है। डॉ. कपाड़िया इसी प्रकार समर्पण, सेवा और कुशलता के साथ अशोक हॉस्पिटल में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

## नवागत कलेक्टर ने देवझिरी मंदिर में दर्शन कर ग्रहण किया पदभार

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नवागत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज प्रातः देवझिरी स्थित प्राचीन संकट मोचन महादेव मंदिर में पहुँचकर विधिवत दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान महादेव से जिले की समृद्धि, सुख-शांति एवं सर्वांगीण विकास की कामना की। मंदिर दर्शन के उपरांत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट कलेक्टर कार्यालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। कलेक्टर डॉ. भरसट ने जिले के समग्र विकास, सुशासन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने और जनहित को सर्वोपरि रखने के निर्देश दिए।

## नवागत कलेक्टर ने किया कलेक्ट्रेट कार्यालय का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के नवागत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थित विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर द्वारा स्थापना शाखा, वित्त शाखा, राजस्व शाखा, लाइसेंस शाखा, कलेक्टर न्यायालय, एडीएम कार्यालय एवं एडीएम न्यायालय का अवलोकन किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कार्यालयीन व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने, अभिलेखों के संधारण में शुद्धता बनाए रखने एवं आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशानुरूप कार्य करते हुए आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी. एस. सोलंकी. सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मंडलोई, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## सुसनेर नगर परिषद में समस्याओं के समाधान हेतु हेल्पलाइन नंबर जारी

**सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सुसनेर नगर में पेयजल, साफ-सफाई एवं स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार को प्राथमिकता देते हुए नगर परिषद में सोमवार को अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने नगरवासियों के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। सोनी ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों एवं गलियों में अक्सर पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट से जुड़ी समस्याएं सामने आती रहती हैं। इन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए अब नगरवासी सीधे हेल्पलाइन नंबर 83057 83801 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने नगरवासियों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र की किसी भी समस्या की जानकारी इस नंबर पर दें। ताकि संबंधित विभाग तक तुरंत सूचना पहुंचाई जा सके और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्राप्त शिकायतों का 24 घंटे के भीतर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल से नगर में नागरिक सुविधाओं में सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है। नगरवासियों ने भी इस कदम का स्वागत करते हुए इसे जनहित में एक सराहनीय पहल बताया है। जिससे उनकी समस्याओं का समाधान अब पहले की तुलना में अधिक तेजी से हो सकेगा।

## सज्जन शक्तिं में राष्ट्रभक्ति का अलख जगाने प्रमुख जन संवाद कार्यक्रम संपन्न

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** स्वयंसेवक संघ जिला नागदा के तत्वावधान में रविवार को बड़नगर के निजी गार्डन में प्रमुख जन संवाद का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़नगर एवं इंगोरिया खंड के प्रमुखजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया।

मंगलाचरण और दीप प्रज्वलन-कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रांत सह प्रमुख माननीय विवेक दुबे एवं माननीय जिला संघचालक श्री प्रकाश पाटीदार द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ किया गया।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर मंथन-मुख्य वक्ता विवेक दुबे ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि युवा देश की शक्ति हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे न केवल अपने करियर पर ध्यान दें, बल्कि समाज सेवा, अनुशासन और उच्च संस्कारों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने संघ के मूल्यों और कार्य पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गोष्ठी के दौरान मुख्य रूप से इन विषयों पर विमर्श हुआ- युवा सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता का भाव, भारतीय संस्कृति और संस्कारों का संरक्षण, संगठनात्मक चेतना का विकास, एक युवा-एक पौधा का संदेश, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए कार्यक्रम के अंत में उपस्थित युवाओं को पौधों का वितरण किया गया। एक युवा, एक पौधा के संकल्प के साथ युवाओं को प्रकृति की रक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

गरिमामयी उपस्थिति और समापन-कार्यक्रम में जिले और नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रबुद्ध जन और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए।कार्यक्रम की जानकारी नगर प्रचार प्रमुख हेमंत परमार द्वारा दी गई।

## देपालपुर के पुजारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर SDM को सौंपा ज्ञापन

### खाद-बीज की किल्लत और ई-टोकन की समस्या के समाधान के लिए ग्वालियर मॉडल लागू करने की मांग

**देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** श्री रामानंदी नवनिर्माण सेना (मध्य प्रदेश) के बैनर तले आज देपालपुर तहसील के पुजारियों ने अपनी लंबित समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित बैरागी के नेतृत्व में व राहुल बैरागी जिला अध्यक्ष रवि गोस्वामी के सहयोग से सौंपे गए इस ज्ञापन में मंदिर की कृषि भूमि से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने की पुरजोर मांग की गई है।

मुख्य समस्याएं:- खाद से लेकर उपार्जन तक

ज्ञापन में पुजारियों ने प्रशासन को बताया कि वर्तमान व्यवस्था में उन्हें निम्नलिखित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है:-

खाद-बीज की अनुपलब्धता:- भूमि मूर्ति के नाम पर दर्ज होने के कारण सहकारी समितियां खाद और बीज देने में तकनीकी आपत्ति उठाती हैं।

फार्मर आईडी का संकट:- पोर्टल पर पुजारियों की फार्मर आईडी जनरेट नहीं हो पा रही है, जिससे वे शासन की कृषि योजनाओं से वंचित हैं।

ई-टोकन की जटिलता:- फसल बेचने के लिए ई-टोकन प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती बन गया है, जिससे पुजारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्वालियर मॉडल की तर्ज पर समाधान की मांग- संगठन ने सरकार से मांग की है कि ग्वालियर जिले में पुजारियों के लिए लागू की गई व्यवस्था को देपालपुर और पूरे इंदौर जिले में भी तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

÷खेती ही मंदिर के जीर्णोद्धार और पुजारी परिवार की आजीविका का एकमात्र साधन है। यदि बुआई और कटाई के सीजन में प्रशासन ने त्वरित निर्णय नहीं लिया, तो पुजारी समाज उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

**-डॉ. रोहित बैरागी, प्रदेश अध्यक्ष, श्री रामानंदी नवनिर्माण सेना**

चेतावनी और निष्कर्ष- पुजारी समाज ने स्पष्ट किया है कि यदि इन मांगों का समयबद्ध निराकरण नहीं किया गया, तो आगामी दिनों में प्रदेश स्तर पर रणनीति बनाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर तहसील के अनेक प्रतिष्ठित मंदिरों के पुजारी और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## सप्त दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सर्वब्राह्मण महासभा , महिला मंडल एवं श्री जी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्री परशुराम जी की जयंती के मंगल अवसर पर प्रतिवर्षानुसार आयोजित होने वाले सप्तदिवसीय निःशुल्क योग शिविर का आज दिनांक 13 अप्रैल 26 सोमवार को प्रातः 6 बजे योग प्रशिक्षिका सुश्री प्रीति काँठेड , डॉ अनिल दुबे ,श्रीमती वंदना दुबे , कृष्ण चंद्र पुरोहित ,डॉ अग्निवेश पांडे ने भगवान श्री परशुराम जी की तस्वीर पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित कर किया , स्वस्तिवाचन कवि सुंदरलाल जोशी ने किया, विशेष अतिथि के रूप में डॉ जे सी चावडा ,विजय व्यास ,राजेश तिवारी पधारे ।

योग का निःशुल्क प्रशिक्षण समस्त शहरवासियों को श्रीमती कीर्ति शर्मा , सुश्री प्रीति काँठेड द्वारा दिया जायेगा , कृष्णचंद्र पुरोहित एवं डॉ अग्निवेश पांडेय अपना सहयोग संपूर्ण शिविर में प्रदान करेंगे।

गायत्री मंत्र के सस्वर उच्चारण के साथ सडीलज,चालन क्रिया - गर्दन, कंधे , हाथ , कटि संचालन , जंघा , पैर के सूक्ष्म व्यायाम , शिथिलिकरण करवाते हुए खड़े होकर किये जाने वाले ताडासन के महत्व को प्रतिपादित किया, त्रिकोणासन करवाया। बैठकर किये जाने वाले आसन में वज्रासन , भद्रासन, मंडुकासन शलभासन। पीठ के बल सोकर उत्तानपादासन उर्ध्वकटि आसन, पादचक्र आसन , अर्धहलासन,पवनमुक्तासन , पेट के बल सोकर किये जाने वाले भुजंगासन , मकरासन और कपालभाति , अनुलोम- विलोम का अभ्यास , ओम का उच्चारण उपस्थित 50 साधकों से करवाया। संगीत की मधुर धुन पर एक्सरसाइज करते हुए अंत में खेलप्रशिक्षक कृष्णचंद्र पुरोहित के मार्गदर्शन में ताली बजाकर हास्य योग किया।

निःशुल्क योग शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर सभी समाजजन, नागरिकगण ,प्रबुद्धजनों , योगप्रेमियों से लाभ लेने का आव्हान शिविर संयोजकद्वय डॉ अनिल दुबे ,अध्यक्ष सर्वब्राह्मण महासभा , डायरेक्टर श्री जी अस्पताल एवं श्रीमती वंदना दुबे , अध्यक्षा महिला मंडल ने किया है।

## नवागत कलेक्टर ने ली परिचयात्मक बैठक, विभागीय कार्ययोजना एवं लक्ष्यों की विस्तार से समीक्षा

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नवागत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्टर सभा कक्ष में जिले के समस्त विभागों के अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य विभागीय कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करना एवं आगामी कार्यों की रूपरेखा तय करना रहा। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों से क्रमवार परिचय प्राप्त किया तथा उनके विभागों में संचालित योजनाओं, प्रमुख गतिविधियों एवं प्रगति की जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने आगामी माह की कार्ययोजना, निर्धारित लक्ष्यों एवं प्राथमिकताओं के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी कार्ययोजना को स्पष्ट, व्यवहारिक एवं परिणामोन्मुख बनाए, जिससे आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में कलेक्टर ने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आपसी तालमेल से कार्य करने पर ही प्रशासनिक कार्यों में गति एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने नागरिकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण तथा जन शिकायतों के प्रभावी समाधान पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

# एकल खिड़की प्रणाली से मिलेगा समस्याओं का त्वरित समाधान

### सोमवार को विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन किया, एकल खिड़की और स्वच्छता पखवाड़ा का किया शुभारंभ किया, 11000 डस्टबीन बांटने की शुरूआत की

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सेवा, समर्पण, सुशासन एवं अन्त्योदय पखवाड़ा के तहत सोमवार को विभिन्न कार्यक्रम एवं योजनाओं का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर 11000 डस्टबीन वितरण करने के साथ एकल खिड़की की शुरूआत की गई। साथ ही विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन भी किया तथा विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

नगर परिषद में एकल खिड़की का विधिवत नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव ने फीता काटकर शुभारंभ किया तथा हेल्पलाईन नंबर 07295 232085 जारी किया। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाओं एवं शिकायतों के समाधान की सुविधा उपलब्ध कराना है। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन और मूलभूत सुविधाओं का समाधान एक ही खिड़की पर किया जाएगा। इससे समय की बचत होगी और हितग्राहियों को अनावश्यक परेशान नही होना पड़ेगा।

वार्ड क्रमांक 1 में करीब 20 लाख रूपए की लागत से नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव ने विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। यहां इंद्रेश वाटिका एवं लोगों की सुविधाओं के लिए चददर शेड निर्माण और ड्रेनेज लाइन का भूमिपूजन किया। नगर के विभिन्न वार्डो में 10 जलमंदिर का शुभारंभ किया गया। इस प्रकार नगर परिषद में स्वच्छता पखवाडा के तहत नगर वासियों को डस्टबीन वितरण करने की शुरूआत की गई। नगरीको को आबादी अनुसार करीबन 11 हजार डसबीन वितरीत किये जावेगें। साथ ही नगर के वार्डो में साफ सफाई की शुरूआत भी की गई। सफाई कर्मियो द्वारा एक साथ वार्ड में झाडू लगाकर सफाई अभियान की शुरूआत की गई यह अभियान प्रतिदिवस नगर के अन्य वार्डो में भी चलाया जावेगा। हितग्राही लाभान्वित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के 35 हितग्राहियों को 1-1 लाख रूपए की किश्त जारी कर लाभान्वित किया गया। साथ ही 66 खाद्यान्न पर्ची भी वितरित की गई इससे 190 परिवार के 230 लोग लाभान्वित होंगे। एकीकृत सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 6 लोग लाभान्वित हुए। संबल योजना के तहत 2-2 लाख रूपए की स्वीकृति पत्रक पात्र लोगों को प्रदान किए। इस अवसर पर नप उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार, पार्षद भारती राठौड़, जितेन्द्र शर्मा, अनिता संतोष चैहान, अनिता दिपक जादव झन्नुबाई सिर्वी, सुखराम देवदा, चेना बाई भेरूलाल डामर, एल्डर मेन मितेश शर्मा, कन्हैयालाल गुर्जर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, पिछडा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र राठौड, विधायक प्रतिनिधि हेमंत मोदी, संतोष राव, संतोष चोहान, दिपक जादव, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष जगजीवनसिंह पंवार, वरिष्ठ पत्रकार विजय बाफना, शरद पगारिया, पुरूषोत्तम शर्मा, प्रवीण चावला, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

# वैदिक काल से स्वतंत्रता संग्राम तक की गाथाओं से रूबरू कराएगा कोठी पैलेस

## पर्यटक जल्द महाकाल दर्शन के साथ देश के वीरों की गाथाओं को जान सकेंगे, 28 करोड़ की लागत से हो रहा जीर्णोद्धार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** उज्जैन में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को जल्द ही आस्था के साथ इतिहास और शौर्य का संगम देखने को मिलेगा। करीब 138 साल पुराने ऐतिहासिक कोठी पैलेस को वीर भारत संग्रहालय के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु भारत के गौरवशाली इतिहास से भी परिचित हो सकें।

योजना के मुताबिक संग्रहालय में वैदिक काल से लेकर रामायण, महाभारत और स्वतंत्रता संग्राम तक के वीर नायकों और महापुरुषों की प्रेरक गाथाएं आधुनिक तकनीक और आकर्षक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत की जाएंगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली अतीत और बलिदान की परंपरा से जोड़ना है। फिलहाल कोठी पैलेस का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। स्मार्ट सिटी कंपनी के सीईओ संदीप शिवा ने बताया कि प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसके मूल स्थापत्य और ऐतिहासिक स्वरूप को बिना बदले ही इसे आधुनिक संग्रहालय का रूप दिया जा रहा है।

करीब 28.07 करोड़ रुपये की लागत से यह परियोजना उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के माध्यम से संचालित की जा रही है। निर्माण कार्य 18 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वीर गाथाओं से रूबरू होगी नई पीढ़ी- संग्रहालय में देश के महान योद्धाओं, स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों के जीवन, त्याग और बलिदान को पेंटिंग, उत्कीर्णन, शिल्पांकन और डिजिटल माध्यमों से प्रदर्शित किया जाएगा। यहां आने वाले लोग न केवल इतिहास जानेंगे, बल्कि उसे महसूस भी कर सकेंगे।

इतिहास समेटे है कोठी पैलेस की दीवारें - वर्ष 1887-88 में निर्मित यह भवन उस दौर की स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है। इसका निर्माण जीवाजी राव सिंधिया के शासनकाल में हुआ था। इसमें भारतीय और यूरोपीय शैली का अनूठा संगम देखने को मिलता है–जहां एक ओर राजपूत और मराठा शैली के झरोखे और बरामदे हैं, वहीं दूसरी ओर विशाल गुंबद यूरोप के चर्चों से प्रेरित हैं।

प्रशासनिक केंद्र से संग्रहालय तक का सफर- कोठी पैलेस केवल ऐतिहासिक इमारत ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र रहा है। यहां समय-समय पर जिला न्यायालय, कलेक्टर कार्यालय, संभागायुक्त कार्यालय और तहसील संचालित होते रहे। अब इन सभी कार्यालयों के नए भवनों में स्थानांतरित होने के बाद इस ऐतिहासिक धरोहर को संग्रहालय के रूप में नया जीवन दिया जा रहा है।

### एक नजर में वीर भारत संग्रहालय परियोजना

स्थान- कोठी पैलेस, उज्जैन
परियोजना लागत- 28.07 करोड़ रुपये
निर्माण एजेंसी- मेसर्स उष्ट्रा इन्फिनिटी कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रालि एवं मेसर्स श्रीनिवासा पॉवर सॉल्यूशन
वास्तुविद- मेसर्स धरोहर, नई दिल्ली
अवधि- 18 माह
विशेषता- मूल स्थापत्य का संरक्षण, आधुनिक संग्रहालय सुविधाएं
कोठी पैलेस की खासियत...
निर्माण वर्ष- 1887-88
स्थापत्य शैली- भारतीय व यूरोपीय मिश्रण
भारतीय प्रभाव- राजपूत व मराठा शैली
यूरोपीय प्रभाव- चर्च शैली के विशाल गुंबद
विशेष पहचान- झरोखे, बरामदे और विशाल सभागार

## जेल में लंबी सजा काट रहे कैदियों में बढ़ रहा मानसिक रोग

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जेल प्रशासन और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार भैरवगढ़ जेल में बंद 70 से अधिक कैदी मानसिक बीमारियों का शिकार हो चुके हैं। इनमें से कुछ तो पागलपन की स्थिति तक पहुंच गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जेल की लंबी सजा और बंदी जीवन का मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। भैरवगढ़ जेल जो कि दो हजार से अधिक कैदियों से भरी हुई है, में मानसिक बीमारियों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। 70 से अधिक कैदी डिप्रेशन से जूझ रहे हैं, जबकि 8 से 10 कैदी पागलपन की स्थिति में हैं। इस बात का खुलासा जेल में किए गए मानसिक स्वास्थ्य कैंप में हुआ, जिसमें डॉक्टरों ने यह बताया कि लंबे समय तक बंदी जीवन जीने वाले कैदी मानसिक रोगों से जूझ रहे हैं। चरक अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के अनुसार डिप्रेशन के कारण कैदियों का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है, और कई बार यह मानसिक रोगों के रूप में विकसित हो जाता है। चिकित्सकों ने कहा कि इन बीमारियों का इलाज जेल के अंदर ही किया जा रहा है, जिसमें काउंसलिंग, मेडिटेशन, और योग जैसी विधियों का सहारा लिया जा रहा है। भैरवगढ़ जेल की बढ़ी हुई दीवारों और लंबे समय की सजा ने तनाव को और बढ़ा दिया है। कैदियों की मानसिक स्थिति में निरंतर गिरावट देखी जा रही है, जिससे न केवल उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि जेल प्रशासन को भी इस स्थिति से निपटने में कठिनाई हो रही है। जेल प्रशासन ने गंभीर मानसिक स्थिति वाले कैदियों को अन्य कैदियों से अलग रखने की व्यवस्था की है ताकि किसी प्रकार का असुरक्षा का खतरा न बने।

## शहर में अब रोजाना 40 हजार यूनिट बिजली का उत्पादन होने लगा सौर ऊर्जा से

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सूरज की किरणों से बिजली बनाने के उपकरण लगाने में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उज्जैन में 3000 से अधिक छतों पर सौर ऊर्जा उपकरण से बिजली उत्पादन का दावा बिजली कंपनी की ओर से किया जा रहा है, वहीं सैकड़ों उद्योगों की छतों पर लगे सौर ऊर्जा पैनल से 40 हजार यूनिट प्रतिदिन की बिजली बन रही है। नेट मीटर योजना पर बिजली कंपनी उपभोक्ताओं को जागरूक कर रही है। इस योजना में कंपनी अन्य से आगे भी है। बिजली कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक उद्योगों की छतों पर भी बड़ी संख्या में पैनल्स स्थापित किए गए हैं। इससे उद्योग संचालकों को बिल में रियायत दी जा रही हैं। कंपनी क्षेत्र में उच्च दाब उपभोक्ताओं के परिसरों में लगे सोलर संयंत्रों से मासिक 9 लाख यूनिट बिजली तैयार हो रही है। इस बिजली की बाजार कीमत लाखों रुपए के करीब है। पीएम सूर्यघर योजना में पात्र उपभोक्ता को अधिकतम 78 हजार की सब्सिडी मिलती है। इसमें एक किलो वॉट के संयंत्र के लिए 30 हजार, दो किलोवॉट के संयंत्र के लिए 60 हजार एवं तीन किलोवॉट के संयंत्र के लिए अधिकतम 78 हजार की सब्सिडी देय है। तीन किलोवॉट से ज्यादा का संयंत्र भी लगाया जा सकता है, लेकिन अधिकतम सब्सिडी 78 हजार ही मिलेगी। कंपनी क्षेत्र में कुल 22500 उपभोक्ता सूरज की किरणों से बिजली तैयार कर रहे हैं। इसमें 21950 निम्न दाब श्रेणी के एवं 550 उच्चदाब श्रेणी के उपभोक्ता शामिल हैं।

## आयकर रिटर्न भरना हुआ आसान, करदाताओं को मिलेगी राहत

### कर साथी एआई चैटबॉट देगा हर उलझन का जवाब

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की प्रक्रिया अब करदाताओं के लिए सिरदर्द नहीं रहेगी। आयकर विभाग ने तकनीक का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक कदम उठाया है। विभाग ने कर साथी नाम से एक एआई आधारित चैटबॉट पेश किया है। यह सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी और कर से जुड़े कठिन नियमों, प्रपत्रों (फॉर्म) और जमा करने की प्रक्रिया को अत्यंत सरल भाषा में समझाएगी।

कर साथी आयकर विभाग के नए पोर्टल का एक अभिन्न अंग है। इसे विशेष रूप से करदाताओं के मन में उठने वाले तत्काल प्रश्नों के उत्तर देने और रिटर्न भरने के अनुभव को सहज बनाने के लिए विकसित किया गया है। अक्सर देखा गया है कि अधूरी या अस्पष्ट जानकारी के कारण लोग रिटर्न भरने में देरी करते हैं या गलतियां कर बैठते हैं। सीए के मुताबिक यह चैटबॉट उस समस्या को खत्म कर देगा जहां करदाताओं को छोटी-छोटी जानकारी के लिए परेशान होना पड़ता था। यह करदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से समझने में सहायता करेगा। यह एआई चैटबॉट आयकर विभाग की नई वेबसाइट के साथ मिलकर कार्य करता है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां प्रपत्र, चालान, ई-भुगतान और ई-सत्यापन जैसी सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। अब करदाताओं को अलग-अलग वेब पृष्ठों पर भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। यह रीयल-टाइम में जवाब देता है, जिससे छोटे-मोटे संदेहों के लिए बाहर के सलाहकारों पर निर्भरता कम हो जाएगी।

## इंटरनेशनल लेवल की पार्किंग व्यवस्था होगी सिंहस्थ में

### इंदौर-देवास रोड पर संभाग आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान दिए निर्देश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर संभाग आयुक्त और कलेक्टर ने सोमवार सुबह इंदौर-देवास रोड पर प्रस्तावित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण कर पार्किंग योजना सामान्य नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने कहा कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन में पार्किंग व्यवस्था केवल वाहन खड़े करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे श्रद्धालुओं के लिए एक पूर्ण सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक पार्किंग स्थल पर खाने-पीने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ एवं पर्याप्त टॉयलेट, महिलाओं के लिए अलग सुरक्षित कक्ष, बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं तथा भीषण गर्मी से बचाव के इंतजाम अनिवार्य रूप से किए जाएं। संभाग आयुक्त ने अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि योजना निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ समयसीमा में कार्य पूर्ण करें और हर सुविधा का स्तर उच्च गुणवत्ता का हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है और व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी सीधे जिम्मेदारी तय करेगी। कलेक्टर ने कहा कि यातायात प्रबंधन और पार्किंग व्यवस्था सिंहस्थ की सफलता का प्रमुख आधार है। इसलिए स्थल चयन से लेकर क्रियान्वयन तक हर चरण में सावधानी बरती जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्किंग स्थलों तक पहुंच मार्ग सुगम और व्यवस्थित हों, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

## कैमरो से सामने आया सच, युवक पर नही डाला था तेजाब

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** चरक अस्पताल में भर्ती युवक ने तीन बदमाशों द्वारा लूटपाट करने और तेजाब डालकर चलने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले की जांच की और कैमरो के फुटेज देखे तो सच सामने आ गया, झुलसे युवक के साथ कैमरे में दिखे साथी से पूछताछ की गई। चरक अस्पताल में भर्ती शहीद नगर निवासी रोहित पिता हरिओम सोलंकी 29 वर्ष ने बताया कि वह हम हम्माली काम करता है। रात में कानीपुरा स्थित शराब दुकान पर गया था जहां शराब पीने के बाद वापस पैदल घर लौट रहा था रास्ते में गरोठ पुलिया के नीचे से गुजरते समय उसे बाइक से आए तीन अज्ञात बदमाशों ने रोका और मारपीट करने के बाद जेब में रखा मोबाइल और 3000 छीन लिए। यही नहीं बदमाशों ने उसे तेज़ाब पिलाने का प्रयास किया जिसका विरोध करने पर उन्होंने शरीर पर ढोल दिया जिसके चलते उसका शरीर झुलस गया है। अस्पताल से मिली सूचना के बाद चिमनगंज थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गये, जिसमें झुलसे युवक के साथ एक अन्य व्यक्ति दिखाई दिया जिसकी पहचान मदन मिस्त्री के रूप में हुई वह रोहित की शर्ट बदलता हुआ दिखाई दिया वहीं कुछ लोग युवक को देख अस्पताल ले जाने की बात भी कहते दिखाई दिए लेकिन रोहित उनसे ही बात करता सामने आया। थाना प्रभारी विवेक कनोडिया के अनुसार मदन मिस्त्री से पूछताछ करने पर तेजाब डालकर जलाने की पुष्टि नहीं हुई है झुलसे युवक का शर्ट भी बरामद किया गया है जिससे तेजाब की इसमें नहीं आई है संभवत शराब के नशे में बीड़ी सिगरेट जलाते समय शर्ट में आग लगी थी जिसके चलते वह झुलस गया। कैमरो के फोटो सामने आने के बाद थाना प्रभारी ने घायल से ही पूछताछ कर झूठी कहानी रचने का खुलासा करने की बात कही है।

## फिल्टर प्लाट के दो सुरक्षा कर्मियों पर हमला

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पीएचई के फिल्टर प्लांट पर रात में दो सुरक्षा कर्मियों पर तीन अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। सुरक्षा कर्मियों की शिकायत पर पुलिस हमला करने वालों की तलाश कर रही है। जंतर मंतर मार्ग पर पीएचई का फिल्टर प्लांट बना हुआ है जहां मोनू पिता मोहन पटेल और गोविंद सुरक्षा कर्मी है दोनों रात में ड्यूटी करते हैं। रविवार रात तीन युवक प्लांट में घुस आए और शराब पीने लगे, दोनों सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोका और प्लांट से बाहर जाने की बात कही तो तीनों ने उन पर हमला कर दिया। घटना में मा गंभीर रूप से घायल हुआ है वही गोविंद को मामूली चोट लगी है। मामले की सूचना मिलने पर रात में नीलगंगा थाना पुलिस फिल्टर प्लांट पहुंच गई थी दोनों घायल सुरक्षा कर्मियों को अस्पताल पहुंचाया गया मामले में गोविंदा की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर अज्ञात हमलावरों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं।

## कलेक्टर श्री सिंह द्वारा एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा बैठक ली गई

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कार्यालय के कक्ष में जिले में चल रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान की लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में जानकारी दी गई कि उजजैन शहर और नागदा के अतिरिक्त सभी विकास खंडों में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत टीकाकरण कर लिया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने उज्जैन शहर और नागदा में भी शत प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि किशोरी बालिकाओं में सर्वाइकल केंसर की रोकथाम के लिए निशुल्क एचपीवी टीकाकरण किया जा रहा है।

## किरायेदार ने दोस्तों के साथ मिलकर चुराए थे लाखों के आभूषण

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** ऋषिनगर एक्सटेंशन में रहने वाले परिवार के यहां हुई लाखों के आभूषण चोरी में किराये से रहने वाला युवक शामिल होना सामने आया है। उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है । नानाखेड़ा थाना पुलिस के अनुसार ऋषिनगर एक्सटेंशन में रहने वाले रत्नेश जोशी के मकान में तीन दिन पूर्व लाखों के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया था। वारदात को बड़े ही शातिर तरीके से अंजाम दिया गया था। जोशी परिवार ने मकान की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले किरायेदार वेदांत पिता बलराम त्रिवेदी निवासी ग्राम रावदिया पीर भाटपचलाना पर शंका जताई थी। पुलिस ने वेदांत को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने अपने दो साथी मोहित उर्फ मोंटी पिता श्याम दत्ता निवासी चाणक्यपुरी और अक्षत उर्फ अंशु पिता रमेश ठाकुर निवासी सुदर्शन नगर के साथ मिलकर चोरी करना कबूल कर लिया। पुलिस ने चोरी में शामिल दोनों आरोपियो को भी हिरासत में लिया और उनकी निशानदेही पर करीब 7 लाख से अधिक के आभूषण बरामद कर लिए। कुछ आभूषणों की बरामदगी नहीं हो पाने पर नानाखेड़ा पुलिस द्वारा सोमवार दोपहर तीनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया। शेष आभूषणों की बरामदगी के लिए पुलिस भाटपचलाना के ग्राम रावदिया पीर जा सकती है। बताया जा रहा है कि चोरी के बाद तीनों ने आभूषण का बंटवारा कर लिया था। हिरासत में आने पर तीनों से पुलिस ने सोने की चार चूड़ियां, अंगूठी और अन्य आभूषण बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी किरायेदार पिछले कई महीनों से जोशी परिवार के यहां रहकर उज्जैन में पढ़ाई कर रहा है।

## 13 करोड़ से निखरेगा गढ़कालिका मंदिर, सिंहस्थ से पहले बदलेगी तस्वीर

### मूल स्वरूप बरकरार रखते हुए होगा जीर्णोद्धार, पार्किंग से लेकर सीसीटीवी तक आधुनिक सुविधाएं विकसित

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत शहर के प्राचीन और आस्था के प्रमुख केंद्र गढ़कालिका मंदिर का व्यापक कायाकल्प किया जाएगा। करीब 13.14 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इस परियोजना के लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं।

योजना इस तरह तैयार की गई है कि प्रतिदिन करीब 10 हजार श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित ढंग से संभाला जा सके। काम को एक साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

व्यवस्थाओं की कमी से जूझ रहा मंदिर- गढ़कालिका मंदिर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्तमान में यहां का बुनियादी ढांचा बढ़ती भीड़ के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। खासतौर पर नवरात्रि जैसे बड़े आयोजनों में अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है।

सिंहस्थ 2028 में करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना जरूरी माना गया है।

यह होंगे प्रमुख विकास कार्य- योजना के तहत मंदिर के पारंपरिक स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। जिसमें मंदिर के शिखर और दीवारों का पारंपरिक चूने से जीर्णोद्धार, श्रद्धालुओं के लिए सभास्थल, चबूतरे और बैठने की व्यवस्था, होल्डिंग एरिया और सुव्यवस्थित कतार प्रणाली, प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग के अलावा मंदिर तक पहुंच मार्ग और आसपास के क्षेत्र का विकास, वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग सुविधा,पेयजल, शौचालय और चेंजिंग रूम की व्यवस्था की जाएगी इसके साथ ही परिसर में पीपल, बिल्व और अशोक के पौधों का रोपण, आकर्षक फसाड और पाथवे लाइटिंग, सीवरेज सिस्टम, सीसीटीवी और कंट्रोल रूम की स्थापना जैसे कार्य किए जाएंगे।

आस्था और इतिहास का संगम- भैरवगढ़ क्षेत्र में स्थित यह मंदिर न सिर्फ धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। मान्यता है कि महाकवि कालिदास ने यहीं मां गढ़कालिका की आराधना कर विद्या प्राप्त की थी। यह स्थान तांत्रिक साधना का भी प्रमुख केंद्र माना जाता है।

## 1.50 लाख में रिश्ता तय कर भागने का प्रयास कर रही लुटेरी दुल्हन पकड़ाई

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौररोड तपोभूमि चौराहा से लुटेरी दुल्हन के भागने का चौकाने वाला मामला सामने आया है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने दुल्हन को हिरासत में लेकर उसके गिरोह में शामिल साथियों की तलाश शुरू की है।

इंदौर रोड स्थित तपोभूमि चौराहा पर यातायात पुलिस द्वारा वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। उसी दौरान इको गाड़ी क्रमांक एमपी 20 सीबी 8261 को रोका गया, उसमें कुछ लोग सवार थे। तभी गाड़ी में बैठी एक महिला ने कहा कि उसे जबरदस्ती लेकर जा रहे है। सभी को गाड़ी से बाहर निकाला गया, उसी दौरान महिला ने भागने का प्रयास किया, लेकिन गाड़ी में सवार महिला और कुछ लोगों ने भाग रही महिला को पकड़ लिया। यातायात निरीक्षक पहले तो कुछ समझ नहीं पाये, जब पूछताछ की गई तो पता चला मामला लुटेरी दुल्हन गिरोह और लेनदेन से जुड़ा है। तत्काल मामले की सूचना नानाखेड़ा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और लुटेरी दुल्हन के साथ सभी को थाने ले आई। जहां श्यामा पति कवंरलाल मोंगिया निवासी ढिकनीया धमोत्तर प्रतापगढ़ राजस्थान की शिकायत पर लुटेरी दुल्हन ज्योति पति धर्मेन्द्र जाट, उसके गिरोह में शामिल संगीता निवासी इंदौर और काजी कुमावत निवसी ग्राम रेवास देवड़ा मंदसौर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। थाना प्रभारी नरेन्द्र यादव ने बताया कि गिरोह में शामिल साथियों की तलाश जारी है। जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जायेगा। शिकायतकर्ता श्यामा मोंगिया ने बताया कि उसके भाई पप्पू की शादी के लिये रिश्ता देख रहे थे। इस दौरान गांव अम्बाउ में रहने वाली मम्मी कमलाबाई ने कहा कि गांव आजा तेरे भाई पप्पू के लिये रिश्ता देखा है। वह गांव पहुंची तो पता चला कि ग्राम रेवासदेवड़ा के काजी कुमावत ने इंदौर में लड़की दिखाने की बात कहीं है। वह किराये की गाड़ी से बहन पेपाबाई, भाई पप्पू और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ किराये की गाड़ी से इंदौर पहुंचे। काजी ने 4 हजार का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कराया। इंदौर पहुंचने पर काजी एक मकान पर ले गया। जहां ज्योति और संगीता मौजूद थे। ज्योति से शादी कराने की बात कहीं और डेढ़ लाख रूपये मांगे। रूपयों की पहले ही बात तय हो गई थी। काजी को रूपये दिये गये। उसने ज्योति को साथ भेजा दिया और खुद दूसरी गाड़ी से उज्जैन चलने के लिये कहा, जहां शादी की लिखा-पढ़ी करना तय हुआ था। लेकिन रास्ते में ज्योति ने भागने का प्रयास किया।

## हिस्ट्रीशीटर बदमाश के मकान में लगाई आग

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** गैंगवार के चलते एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश के मकान में पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई तीन दिन बाद वायरल हुए वीडियो के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

मामला ढांचा भवन इलाके में 11 अप्रैल की रात का है। वारदात का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है। इसमें रौनक गुर्जर के मकान के सामने खड़े बदमाश दिख रहे हैं। उनके हाथों में चाकू और दूसरे हथियार हैं। कुछ ही दूर उनके साथी दोपहिया वाहनों पर बैठे हैं। मकान के सामने खड़े एक बदमाश ने बोतल से भरा पेट्रोल मकान पर डाला। दूसरे ने चिंगारी दिखाई। पलक झपकते ही मकान जल उठा। मकान में लगी आग के बाद पेट्रोल छिड़क कर भाग रहे दो युवक भी वीडियो में झूलते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले में चिमनगंज टीआई विवेक कनोडिया ने कहा की सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद आरोपियों की पहचान कर रहे हैं। जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। फिलहाल मकान में लगाई गई आग की किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। सूत्रों के मुताबिक, मकान को आग लगाने पहुंचे 12 से ज्यादा बदमाश यशवेंद्र उर्फ छम्बू बुंदेला के गिरोह के सदस्य हैं। पुरानी रंजिश के चलते उन्होंने ये काम किया। रौनक गुर्जर पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों के बीच लंबे समय से वर्चस्व की लड़ाई चली आ रही है।

## जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निगम द्वारा जल स्रोत एवं उद्यानों की सफाई का कार्य निरंतर जारी

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा निरंतर जल स्त्रोतों, नदी, तालाबों, कुएं बावड़ियों एवं उद्यानों की सफाई का कार्य किया जा रहा है इसी क्रम में सोमवार को वार्ड क्रमांक 24 क्षीरसागर कुंड, वार्ड क्रमांक 18 नगर वन स्थित प्राचीन बावड़ी, वार्ड क्रमांक 51 राजीव गांधी उद्यान, वार्ड क्रमांक 35 मंछामन स्थित प्राचीन बावड़ी, उद्यान एवं विष्णु सागर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाकर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है जिसके क्रम में वार्ड क्रमांक 24 क्षीरसागर कुंड पर अभियान के अंतर्गत श्रमदान करते हुए कुंड की सफाई की जाकर स्वच्छता बनाए रखने हेतु आग्रह किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

भारत के संविधान निर्माता, भारत रत्न

# डॉ. भीमराव अम्बेडकर

को

## कोटि-कोटि नमन

*न्याय, समानता और*
*समरसता के मूल्यों से*
*सशक्त होता मध्यप्रदेश*

# 136वीं जयंती समारोह

**14 अप्रैल, 2026**

**डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)**
**जिला इंदौर**

मुख्य अतिथि

# डॉ. मोहन यादव

**मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश**

*“भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज कल्याण के लिए किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबासाहेब की न्याय, समानता और समरसता की विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।”*

*-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री*

## डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को समर्पित विकास

**आस्था से जुड़ाव**

बाबासाहेब से जुड़े महू, दिल्ली, नागपुर, मुंबई और लंदन में स्थित **5 ऐतिहासिक स्थल** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल

**वैश्विक आस्था और अध्ययन का केंद्र महू**

स्मारक, संग्रहालय, सभागार, स्वागत द्वार एवं **अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च सेंटर** का विकास

**सम्मान का प्रतीक नामकरण**

महू रेलवे स्टेशन का नाम **‘डॉ. अम्बेडकर नगर’**

**युवा स्व-रोज़गार उद्यम को नई उड़ान**

डेयरी इकाई के लिए **कामधेनु योजना** में ₹42 लाख तक ऋण

**आर्थिक कल्याण योजना** में ₹1 लाख तक अनुदान

**संत रविदास स्व-रोज़गार योजना** में ₹1 लाख से ₹50 लाख तक सहायता

**उद्योग उदय योजना** के माध्यम से MSME को वित्तीय सहयोग

**शिक्षा में उत्कृष्टता का सम्मान**

**डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना** 10वीं-12वीं में प्रोत्साहन पुरस्कार

उच्च शिक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु **अम्बेडकर फैलोशिप**

**पर्यावरण और विरासत का संगम**

सागर में 25वां **डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य** घोषित

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D11005/26